● जयपुर, गुरुवार 28 नवंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 100 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 के 18वें एडिशन के वक्ताओं की ...

पेज @4 विधायक दीनदयाल बैरवा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने किया...

पेज @8 जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ के मार्गदर्शन में पुलिस थाना चौमू ने ...

केंद्र ने 15 राज्यों में आपदा न्यूनीकरण परियोजनाओं के लिए 1,000 करोड़ के खर्च को दी मंजूरी

नई दिल्ली/एजेंसी।

केंद्र सरकार ने 15 राज्यों में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए आपदा न्यूनीकरण और क्षमता निर्माण परियोजनाओं के लिए 1,000 करोड़ रुपये के खर्च को मंजूरी दी है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए 139-139 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र के लिए 100 करोड़ रुपये, कर्नाटक और केरल के लिए 72-72 करोड़ रुपये, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के लिए 50-50 करोड़ रुपये और पूर्वोत्तर के आठ राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के लिए 378 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई।

यह निर्णय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा लिया गया, जिसमें केंद्रीय वित्त और कृषि मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष सदस्य थे।

उन्होंने राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से फंडिंग के लिए 15 राज्यों में भूस्खलन के जोखिम को कम करने के प्रस्ताव पर विचार किया।

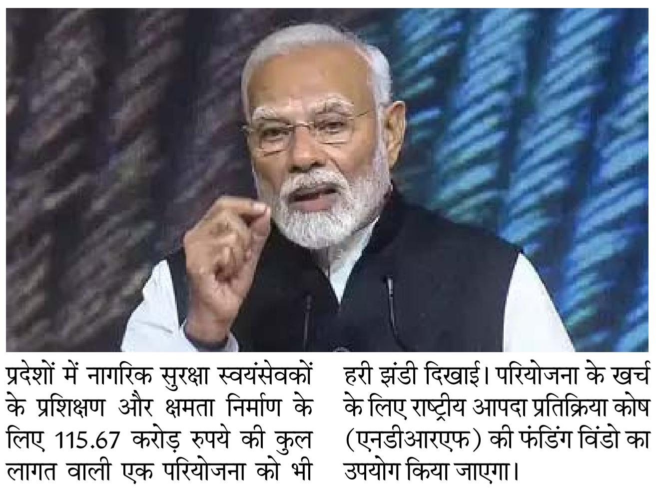

समिति ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए 115.67 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली एक परियोजना को भी हरी झंडी दिखाई। परियोजना के खर्च के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) की फंडिंग विंडो का उपयोग किया जाएगा।

इससे पहले, समिति ने एनडीएमएफ से 3,075.65 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली सात शहरों में शहरी बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण परियोजनाओं और चार राज्यों में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) जोखिम प्रबंधन परियोजनाओं को मंजूरी दी थी।

बयान में कहा गया है, पीएम नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए, गृह मंत्रालय ने देश में आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं।

बयान में कहा गया है कि भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रणाली को मजबूत कर आपदाओं के दौरान जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए कई उपाय किए गए हैं।

मोदी सरकार के तहत इस वर्ष राज्यों को 21,476 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहले ही जारी की जा चुकी है। इसमें 26 राज्यों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) से 14,878.40 करोड़ रुपये, 15 राज्यों को एनडीआरएफ से 4,637.66 करोड़ रुपये, 11 राज्यों को राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष से 1,385.45 करोड़ रुपये और छह राज्यों को एनडीएमएफ से 574.93 करोड़ रुपये शामिल हैं।

न्यूज़ अपडेट

ईवीएम छोड़ो बैलेट जोड़ो

राहुल गांधी निकालेंगे जागरूक पदयात्रा

चमकता राजस्थान/अत्री कुमार दाधीच/जयपुर /दिल्ली। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ई वी एम को बदल बैलेट से चुनाव कराने को लेकर देश व्यापी जागरूकता अभियान के तहत पद यात्रा शुरू करने जा रहे हैं इसके तहत दिसंबर में देश की राजधानी दिल्ली में पंद्रह दिन में सात सो पचास किलोमीटर की यात्रा शुरू करने जा रहे हैं सूत्रों ने बताया कि हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा एवं अन्य स्थानों पर हुए उपचुनावों के परिणाम में ईवीएम में धाँधली कर परिणामों को प्रभावित करने की शिकायतें मिली लेकिन इन शिकायतों को चुनाव आयोग ने गंभीरता से नहीं ले कर ख़ारिज कर दिया इससे स्थानीय नेताओं ने राहुल गांधी के समक्ष ईवीएम के बजाय बैलेट से चुनाव अभियान चलाकर जनता को जागरूक किया जाए बताया जाता है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसकी कार्ययोजना को अंतिम रूप देने का ज़िम्मा यात्रा संयोजक जयराम रमेश एवं प्रभारी महामंत्री वेणु गोपाल को सौंपा है दोनों नेता इस यात्रा को अंतिम रूप देकर यात्रा का रूट कश्मीर से कन्याकुमारी तक एवं बीच में आने वाले कौन कौन से शहर गाँव यात्रा से गुज़रने मैं तय किये जाएंगे पूरी प्रक्रिया पंद्रह में तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

हमारे बीच कोई मतभेद नहीं, प्रधानमंत्री जो फैसला लेंगे वो मंजूर

● सीएम पद को लेकर एकनाथ शिंदे बोले

मुंबई/एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजे के बाद एकनाथ शिंदे ने पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान शिंदे ने कई बड़े बयान दिए हैं. विधानसभा चुनाव में महायुति ने भारी बहुमत से जीत दर्ज की है. प्रदेश के 288 सीटों में से 235 सीटों पर महायुति ने जीत दर्ज की. इस जीत के बाद से सबसे पहला सवाल यही उठ रहा है कि आखिर अगला सीएम कौन होगा? सूत्रों की मानें तो देवेंद्र फडणवीस के नाम पर मुहर लग चुकी है. आज शाम को इसकी आधिकारिक घोषणा हो जाएगी. इस बीच महायुति के तीनों नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है. देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार और एकनाथ शिंदे दिल्ली पहुंचने वाले हैं. पीसी करते हुए शिंदे ने जनता को जीत के लिए धन्यवाद दिया. जिन कामों को एमवीए ने रोक दिया था, उसे हमने शुरू किया. हम कई कल्याणकारी योजना लोगों के लिए लेकर आए. इसलिए लोगों का हमें साथ भी लिया. हम लोग सुबह 5 बजे से ही चुनाव के लिए काम कर रहे थे. हमने करीब-करीब 100 सभाएं की. इस चुनाव में हमारे सभी कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की. मैंने अपने आप को कभी भी सीएम नहीं समझा, हमेशा आम आदमी की तरह ही काम किया.

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा संभल जामा मस्जिद का मामला

जमीयत-ए-हिंद ने कहा- पूरी तरह से लागू हो प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट

नईदिल्ली/एजेंसी।

संभल की जामा मस्जिद वाला मामला इन दिनों सुर्खियों में है. जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दाखिल किया है. जमीयत का कहना है कि 1991 के प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट के होते हुए भी अदालत धार्मिक स्थलों के सर्वे के आदेश दे रही हैं. यह सरासर गलत है. जमीयत ने कहा कि धार्मिक स्थलों के 1947 वाले स्वरूप को बनाए रखने के लिए प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट को पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए. जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका सुप्रीम कोर्ट में अभी लंबित है. उस पर फिलहाल सुनवाई नहीं हो रही है. जमीयत के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को चिट्ठी लिखी है, इसमें मांग की गई है कि जल्द मामले की सुनवाई हो. उत्तर प्रदेश के संभल में बने मुगलकालीन जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान भड×की हिंसा से बदहाल हुआ जनजीवन अब धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है. स्कूल दोबारा खुल गए हैं. रोजमर्रा की चीजें बेचने वाली दुकानें दोबारा खुल गई हैं. हालांकि, संभल में इंटरनेट अब भी बंद हैं. बुधवार शाम चार बजे तक जिले में नेट बंद रहेगा. संभल में हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं. हिंदू और मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने एकता का आ''ान किया है. हिंसा भले ही शांत हो चुकी है. हालात सामान्य हो रहे हैं. बावजूद इसके प्रशासन अब किसी भी प्रकार की ढिलाई के मूड में नहीं हैं.

संभल हिंसा में हुई मौतों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा, देसी बंदूक से लगी गोली

संभल/एजेंसी

उत्तर प्रदेश के संभल में मस्जिद सर्वेक्षण के दौरान शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा में 4 लोगों की गोली लगने से मौत हुई है, जिसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गई है।पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया कि प्रदर्शनकारियों की मौत पुलिस की गोली से नहीं बल्कि देसी बंदूक की गोली लगने से हुई है।रिपोर्ट में 315 बोर की गोलियों से चोट लगने का पता चला है, जो आमतौर पर देसी पिस्तौल से चलाई जाती है।

सूत्रों का कहना है कि उन्होंने अपनी बंदूकों से 9 एमएम की गोलियां इस्तेमाल की थी, जिसका पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में जिक्र नहीं है।पुलिस का कहना है कि रविवार को इलाके में कई घरों से गोलीबारी हुई थी। उन्होंने हिंसा और उसके बाद की तलाशी के दौरान कई देसी पिस्तौल बरामद की है।संभल के डिविजनल कमिश्नर अंजनेय कुमार सिंह ने भी देसी पिस्तौल से गोली लगने की बात स्वीकार की है और पुलिस की गोली से इंकार किया है।

हिंसा के बाद संभल में सामान्य स्थिति फिर से लौट रही है। स्कूल खोल दिए गए हैं और रोजमर्रा की जरूरत की दुकानें भी खुल रही हैं।अभी संभल तहसील में इंटरनेट सेवा को बहाल नहीं किया गया है। प्रमुख चौराहों और बाजारों में पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।इस बीच हिंदु और मुस्लिम समुदायों ने सांप्रदायिक सद्भाव को दोबारा बनाने का आह्वान किया है।

संभल में हुई हिंसा के लिए पुलिस ने समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान बर्क के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि उनके भड़काऊ बयानों से हिंसा फैली थी।

गौतम अडाणी को लेकर संसद में विपक्ष का हंगामा, राहुल गांधी ने की गिरफ्तारी की मांग

नईदिल्ली/एजेंसी। लोकसभा में बुधवार अडाणी समूह के प्रमुख गौतम अडाणी पर अमेरिका में लगे रिश्वतखोरी के आरोपों और उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने जमकर नारेबाजी भी की। इसके चलते पहले तो 12 बजे तक लोकसभा की कार्यवाही स्थगित की गई, लेकिन बाद में हंगामा जारी रहने पर उसे दिनभर के लिए स्थगित कर दिया।इधर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अडाणी की गिरफ्तारी की मांग की है।

राहुल ने संसद परिसर में मीडिया से कहा, क्या आपको लगता है कि अडाणी आरोपों को स्वीकार करने जा रहे हैं? जाहिर है, वे आरोपों से इनकार करने जा रहे हैं। मुद्दा यह है कि उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सैकड़ों लोगों को छोटे-छोटे आरोपों में गिरफ्तार किया जा रहा है।राहुल ने मामले में आगे कहा, सज्जन पर अमेरिका में हजारों करोड़ रुपये का आरोप है। उन्हें तो जेल में होना चाहिए, लेकिन सरकार उन्हें बचा रही है। अमेरिका के सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने अडाणी समूह पर अमेरिका की बिजली वितरण कंपनियों के साथ सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को कथित तौर पर 2,000 करोड़ रुपये रिश्वत देने का आरोप लगाया है।दावा है कि ये बात अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छिपाई गई।

राइज़िंग राजस्थान 2024

राजस्थान और देश भर से 100 से अधिक कंपनियां और व्यापारिक समूह भाग लेंगे

ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में राजस्थान की क्षमता होगी प्रदर्शित

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 27 नवंबर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित हो रहे 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में राजस्थान ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो का भी आयोजन किया जाएगा और इसमें राजस्थान और देश भर से 100 से अधिक कंपनियां और व्यापारिक समूह भाग लेंगे। इस ग्लोबल एक्सपो में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में राज्य की क्षमता प्रदर्शित की जाएगी और देश के औद्योगिक परिदृश्य में राजस्थान की अहम भूमिका को दिखाया जाएगा। इस एक्सपो में कई पैवेलियन भी लगाए जाएंगे, जिनमें प्रमुख होगा राजस्थान का स्टेट-ऑफ-दी-आर्ट पैवेलियन और कुछ चुनिंदा देशों, स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों के लिए लगाए जाने वाले पैवेलियन।राजस्थान के स्टेट-ऑफ-दी-आर्ट पैवेलियन में राज्य के बारे में विशिष्ट जानकारियां दी जाएंगी। इसके तहत राज्य की अर्थव्यवस्था, समृद्ध विरासत, सांस्कृतिक धरोहरों, प्रमुख और नये या उभरते हुए व्यवसायिक क्षेत्रों वगैरह के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, इसमें मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं और पहलों को भी प्रदर्शित किया जाएगा और ग्रामीण परिदृश्य को बेहतर बनाने और शहरी सुविधाओं को पुनर्जीवित करने में उनके प्रभाव के बारे में बताया जाएगा। इसके अलावा, इसमें उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, स्मार्ट सार्वजनिक वितरण और विभिन्न ई-गवर्नेंस पहलों को भी इंटरैक्टिव पैनलों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।इसके अलावा, स्टार्ट-अप पैवेलियन में राज्य में मौजूद स्टार्ट-अप्स को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें राज्य की प्रमुख महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप्स भी शामिल हैं। इसी तरह, महिला उद्यमियों के पैवेलियन में महिलाओं के नेतृत्व में सफल व्यवसायों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिन्होंने सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियों और पहलों के तहत बड़ी ऊंचाइयों को हासिल किया है। इस पैवेलियन के जरिए ये महिला उद्यमी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में भाग लेने वाले घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के सामने अपने व्यवसायों की जानकारी दे सकेंगी ताकि उनकी उद्यमशीलता दिखे और सराही जाए।

RISING RAJASTHAN™
9-10-11 DEC 2024 • JAIPUR
REPLETE • RESPONSIBLE • READY

● राजस्थान, महिला उद्यमियों, स्टार्टअप और चुनिंदा देशों के होंगे विशेष पैवेलियन

इसके बारे में बताते हुए राजस्थान सरकार के रीको लिमिटेड के प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह ने कहा, ''राजस्थान ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो उद्यमिता की राजस्थानी भावना और पारंपरिक क्षमताओं के संग-संग राजस्थान को एक आधुनिक औद्योगिक शक्ति के रूप में प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर है।''10,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैली इस प्रदर्शनी (एक्सपो) में राजस्थान में व्यावसायिक उपस्थिति या रुचि रखने वाले कई भारतीय और विदेशी व्यापार समूह शामिल होंगे। एक्सपो में अपने पैवेलियन लगाने वाले उल्लेखनीय भारतीय व्यापार समूहों में असाही इंडिया ग्लास, जिसने हाल ही में चित्तौड़गढ़ में एक प्रमुख फ्लोट ग्लास प्लांट स्थापित किया है, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, जेसीबी, टाटा पावर, टोरेंट ग्रुप, महिंद्रा सिटी, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, जेके सीमेंट, जेके टायर आदि शामिल हैं।इसके अलावा, इस ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो में डेनमार्क और जापान सहित कुछ चुनिंदा देश भी अपने देश के बारे में पैवेलियन लगाएंगे और आने वाले दिनों में इसमें कई और देश भी जुड़ सकते हैं। साथ ही, बड़ी संख्या में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम भी इस एक्सपो में अपना पैवेलियन लगा रहे हैं और इनमें एचपीसीएल, गेल जैसी केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां और राजस्थान सरकार के स्वामित्व वाली अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024' एक नज़र में

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा। इसका आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन (बीआईपी) और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।प्रदेश में निवेश हेतु राज्य सरकार ने अब तक विभिन्न कंपनियों के साथ 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं और इसके तहत मुंबई, दिल्ली, दक्षिण कोरिया, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, सिंगापुर, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और सऊदी अरब में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर रोड शो, विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्री-समिट्स और जिला-स्तरीय समिट्स आयोजित किए जा चुके हैं।इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आ कर काम करने के लिए आमंत्रित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना और अन्य सुविधाएँ मुहैय्या कराना है। इस ग्लोबल समिट के दौरान विभिन्न देशों के लिए 'कंट्री सेशन', और महिला उद्यमी, मैन्यूफैक्चरिंग, जल सुरक्षा, सस्टेनेबल एनर्जी, स्वास्थ्य सेवा, सस्टेनेबल माइनिंग, स्टार्टअप, शिक्षा और कौशल, सस्टेनेबल फाइनेंस, कृषि-व्यवसाय, पर्यटन और इंफ्रास्ट्रक्चर और सप्लाई चेन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए थीम आधारित सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

महाराष्ट्र विस चुनावः महिला मतदाताओं की मुखरता से बदल रही तस्वीर

महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महिलाओं के 6 प्रतिशत अधिक मतदान ने चुनावी परिणामों को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इसी साल की शुरुआत में हुए लोकसभा के चुनाव परिणामों से महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महाअघाड़ी गठबंधन अतिउत्साह में था और लगभग यह मान कर चल रहे थे कि महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे उनके पक्ष में ही होंगे। अत्यधिक आत्मविश्वास के चलते चुनावी अभियान की सही दिशा व समझ नहीं पाए और इसका परिणाम यह रहा कि भाजपा नीत गठबंधन ने विजय के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। मानें या ना मानें पर चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही।

मध्य प्रदेश से निकली लाड़ली बहना महाराष्ट्र तक आते–आते माझी लाड़की बहना योजना हो गई जिसे महाराष्ट्र सरकार द्वारा इसी साल लागू करने और चुनाव से पहले ही इसकी तीन किश्तें लक्षित महिलाओं के खातों में जाने से पूरा माहौल बदल गया। योजना शुरू करने पर विपक्ष ने विरोध किया और यहां तक कि कोर्ट में जनहित याचिकाएं लगाई गई पर कोर्ट द्वारा योजना को सही ठहराने और सीधे खाते में पैसे आने से महिलाओं में सरकार के प्रति विश्वास जगा वहीं, महाअघाड़ी गठबंधन महिलाओं से जुड़ी इस योजना को समझने में ही देरी कर दी और भले ही बाद में चुनाव घोषणापत्र या यों कहें कि चुनावी वादों में अधिक पैसा देने का वादा भी किया पर महिलाओं का विश्वास नहीं जीत पाए। सही मायने में देखा जाए तो महिला शक्ति गेम चेंजर बन कर सामने आई। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि महिलाएं जिनके साथ हैं, सत्ता भी उनके हाथ ही लगेगी।

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत चुनाव चाहे वे लोकसभा के हों या राज्यों की विधानसभाओं के, देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया। यह माना जाने लगा है कि देश के एक दर्जन के करीब राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने लगे हैं। तस्वीर का सकारात्मक पक्ष यह है कि मतदान ही नहीं चुनावों में सक्रियता से हिस्सा लेने और चुनावों में उम्मीदवारी के मामले में भी महिलाएं आगे आई हैं। देश के पहले और दूसरे आम चुनावों में जहां 22 महिला सांसद चुन कर आई थीं, वहीं गत 2024 के आमचुनाव में 74 महिला सांसद चुन कर आई हैं। हालांकि आधी आबादी को मुख्यधारा में लाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नए सब्जबाग दिखाने के बावजूद टिकट वितरण के समय महिलाओं की हिस्सेदारी कम रह जाती है। अनुभव यही बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक–तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते हैं। इस बार महाराष्ट्र चुनाव में 50 महिलाओं को टिकट दिए गए और 21 महिलाएं चुनाव जीत कर विधायक बनी हैं।

सबसे अच्छी बात यह है कि गांव हो या शहर, महिलाएं अब घर की चारदीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही है। पुरुषों की हां में हां मिलाने वाली स्थिति से बहुत बाहर आ चुकी हैं आज देश की महिलाएं। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में महिलाएं सक्रियता से हिस्सा लेने लगी हैं। चुनावों में उम्मीदवारी भी जताती हैं तो चुनाव कैंपेन के दौरान उपस्थिति भी दर्ज कराती हैं। दूसरी ओर मतदान में भी आगे आकर हिस्सा लेने लगी है। देखा जाए तो महिलाओं ने जिस दल पर अधिक भरोसा जताया या यों कहें कि जिस दल को अधिक मत दिए उसी दल की सरकार बनी। अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हरसंभव प्रयास करते हैं। महिला मतों के लिए उनसे जुड़ी योजनाएं और कार्यक्रम ना केवल घोषित किये जा रहे हैं अपितु राजनीतिक दलों के चुनाव घोषणा पत्रों में उन्हें शामिल किया जाता है। क्योंकि यह साफ है कि आज की महिला स्वयं निर्णय लेने में सक्षम है और उसे दबाव या अन्य तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सकता। कम से कम चुनावों के परिणाम तो इसी और इंगित कर रहे हैं।

देश के लोकतंत्र के इस महापर्व में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी इसे शुभ संकेत माना जा सकता है। इसे देश और लोकतंत्र दोनों के लिए ही सकारात्मक प्रयास कहा जा सकता है तो दूसरी और दुनिया के देशों के लिए भी भारत की महिलाएं मिसाल बन कर सामने आ रही हैं। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि भविष्य के चुनावों में भी राजनीतिक दलों को सत्ता का स्वाद चखना है तो उन्हें महिला मतदाताओं का खास ध्यान रखना होगा।

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

ललित गर्ग

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित–प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों–रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित–आदर्श समाज–व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर–जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही

वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं। बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी–झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं–जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं–किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य–जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह–को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बच्चों में कई प्रतिभाएं अविकसित रह जाती हैं। अगर समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करना है–चाहे वह भविष्य आखिरकार कैसा भी क्यों न हो, तो भविष्य के खतरों की आहट को सुनते हुए जागरूक होना होगा। साफ है, नीति के स्तर पर प्रदूषण एवं बदलते मौसम की मार के लिये काम करना होगा। कम से कम भविष्य या बच्चों के लिये तो ऐसा किया ही जाना चाहिए।

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति–नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक–पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक आदर्श समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों–नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

डायबिटीज एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती

डॉ. सत्यवान सौरभ

डायबिटीज वैश्विक स्तर पर गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में उभरा है। भारत अब इसकी बढ़ती संख्या और निदान न किए गए मामले, दोनों में सबसे आगे है। भारत में 212 मिलियन लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं और 30 वर्ष से अधिक आयु के 133 मिलियन लोग उपचार के बिना रह रहे हैं। जीवनशैली में बदलाव, आहार पैटर्न और तंबाकू के उपयोग कारण भारत में डायबिटीज के मामलों में वृद्धि, विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2030 के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्त्वपूर्ण बाधाएँ खड़ी करती है, यह सुनिश्चित करना कि डायबिटीज से पीड़ित 80% लोगों का निदान हो और उनमें से 80% ग्लाइसेमिक नियंत्रण प्राप्त करें। डायबिटीज ऐसी स्थिति है जो तब होती है जब आपका रक्त शर्करा (ग्लूकोज) बहुत अधिक होता है। यह तब विकसित होता है जब आपका अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन नहीं बनाता है या बिल्कुल भी नहीं बनाता है, या जब आपका शरीर इंसुलिन के प्रभावों पर ठीक से प्रतिक्रिया नहीं करता है। डायबिटीज सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करता है। डायबिटीज के अधिकांश रूप जीर्ण (जीवन भर चलने वाले) होते हैं और इसके सभी रूपों को दवाओं और जीवनशैली में बदलाव के साथ नियंत्रित किया जा सकता है। ग्लूकोज (चीनी) मुख्य रूप से आपके भोजन और पेय पदार्थों में मौजूद कार्बोहाइड्रेट से आता है। यह आपके शरीर की ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। आपका रक्त ऊर्जा के लिए उपयोग किए जाने वाले ग्लूकोज को आपके शरीर की सभी कोशिकाओं तक पहुँचाता है।

जब ग्लूकोज आपके रक्त प्रवाह में होता है, तो उसे अपने अंतिम गंतव्य तक पहुँचने के लिए मदद की ज़रूरत होती है–यह कुंजी इंसुलिन (एक हार्मोन) है। यदि आपका अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना रहा है या आपका शरीर इसका सही तरीके से उपयोग नहीं कर रहा है, तो आपके रक्त प्रवाह में ग्लूकोज जमा हो जाता है, जिससे उच्च रक्त शर्करा (हाइपरग्लाइसेमिया) होता है। समय के साथ, लगातार उच्च रक्त शर्करा स्तर के कारण स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, जैसे हृदय रोग, तंत्रिका क्षति और आंखों की समस्याएँ। डायबिटीज का तकनीकी नाम डायबिटीज मेलिटस है। एक अन्य "डायबिटीज" है–डायबिटीज इन्सिपिडस–लेकिन वे अलग–अलग हैं। वे "डायबिटीज" नाम साझा करते हैं क्योंकि वे दोनों अधिक प्यास और बार–बार पेशाब का कारण बनते हैं। डायबिटीज इन्सिपिडस डायबिटीज मेलिटस की तुलना में बहुत दुर्लभ है।

हाल ही में किए गए अध्ययनों में उपवास प्लाज्मा ग्लूकोज के स्तर को शामिल करते हुए डायबिटीज के प्रसार का अधिक व्यापक मूल्यांकन प्रदान किया गया है। यह विशेष रूप से दक्षिण एशिया जैसे उच्च बोझ वाले क्षेत्रों में निदान न किए गए मामलों की पहचान करने में मदद करता है। कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत पहल का उद्देश्य निःशुल्क जांच और प्रबंधन सेवाएँ प्रदान करना है। निदान तक पहुँच का विस्तार करने के लिए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का उपयोग किया जा रहा है। टेली मेडिसिन सेवाएँ और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयाँ कम सेवा वाले क्षेत्रों तक पहुँचने के लिए तेजी से तैनात की जा रही हैं। डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म का एकीकरण रोगी ट्रैकिंग और फॉलो–अप का समर्थन करता है। राष्ट्रीय अभियान डायबिटीज के जोखिम कारकों को कम करने के लिए स्वस्थ आहार और शारीरिक गतिविधि जैसे जीवनशैली में बदलावों को उजागर करते हैं। 30 वर्ष से अधिक आयु के 133 मिलियन लोगों में निदान नहीं होने के कारण, प्रारंभिक पहचान में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है।

कई व्यक्ति अपनी स्थिति के बारे में लक्षणहीन या अनजान रहते हैं, विशेष रूप से ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्रों में। कार्बोहाइड्रेट और संतृप्त वसा से भरपूर अस्वास्थ्यकर आहार, गतिहीन जीवन शैली और डायबिटीज के जोखिम कारक के रूप में तम्बाकू के उपयोग पर अपर्याप्त सार्वजनिक ध्यान समस्या को बढ़ाता है। तम्बाकू के उपयोग से डायबिटीज का खतरा 30–40% बढ़ जाता है, फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों में डायबिटीज से इसके सम्बंध को कम महत्त्व दिया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में नैदानिक? ?सुविधाओं और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की महत्त्वपूर्ण कमी है। मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में गर्भावधि डायबिटीज प्रबंधन का खराब एकीकरण माताओं और बच्चों के लिए दीर्घकालिक जोखिम को बढ़ाता है। डायबिटीज देखभाल के लिए उच्च आउट–ऑफ–पॉकेट ख़र्च कई व्यक्तियों को समय पर निदान और उपचार लेने से रोकता है। समन्वित कार्यवाही का अभावः निदान सेवाओं, उपचार सुविधाओं और समुदाय–आधारित हस्तक्षेपों के बीच कमज़ोर सम्बंध व्यापक डायबिटीज प्रबंधन में बाधा डालते हैं।

डायबिटीज का निदान जीवन बदलने वाली घटना है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप एक खुशहाल और स्वस्थ जीवन नहीं जी सकते। डायबिटीज का प्रबंधन करने के लिए निरंतर देखभाल और परिश्रम की आवश्यकता होती है। हालाँकि यह शुरू में बहुत भारी लग सकता है लेकिन समय के साथ आप इस स्थिति का प्रबंधन करने और अपने शरीर के साथ तालमेल बिठाने में बेहतर समझ हासिल कर लेंगे। अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से नियमित रूप से मिलते रहें। डायबिटीज के प्रबंधन में टीम के प्रयास की आवश्यकता होती है–आप चाहेंगे कि चिकित्सा पेशेवर, मित्र और परिवार आपके साथ हों। यदि आपको मदद की आवश्यकता हो तो उनसे संपर्क करने में संकोच न करें।

भारत ने डायबिटीज को लेकर कई कदम उठाए हैं, चुनौती की गंभीरता को देखते हुए गहन और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। निदान को बढ़ाना, प्राथमिक स्तर पर व्यापक देखभाल को एकीकृत करना और जीवनशैली और व्यवहार सम्बंधी कारकों, विशेष रूप से तंबाकू के उपयोग को सम्बोधित करना, 2030 के डब्ल्यूएचओ लक्ष्यों को पूरा करने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ईवीएम पर सवाल खड़े करने वालों को सुप्रीम फटकार!

मनोज कुमार अग्रवाल

जीते तो सब ठीक हारे तो ईवीएम खराब। यह फार्मूला विपक्षी दलों ने अपनाया हुआ है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर जिस प्रकार से टिप्पणी की है, उसके बाद से होना तो यह चाहिए कि राजनीतिक दल ईवीएम को लेकर देशवासियों को गुमराह करने की अपनी आदत से बाज आए। मगर ऐसा लगता है कि कांग्रेस सहित कुछ राजनीतिक दलों ने ईवीएम को निशाना बनाने की आदत पाल ली है। जब भी किसी प्रदेश में विपक्षी पार्टी को जनता नाकार देती है, तो राजनीतिक पार्टियों के द्वारा चुनाबी हार का ठीकरा ईवीएम मशीन पर फोड़ना शुरू कर दिया जाता है। दुःखद बात यह है किइस आदत से ये राजनीतिक दल भी ग्रस्त हो गए हैं, जो यह रोना रोते रहते हैं कि संस्थाओं को कमजोर और नष्ट किया जा रहा है। उन्हें यह बुनियादी बात जितनी जल्द समझ आ जाए, उतना ही अच्छा कि ईवीएम पर संदेह जताकर वे चुनाव आयोग की पगड़ी उछालने का ही काम कर रहे हैं। क्या इससे शर्मनाक और कुछ हो सकता है कि जिस चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा दुनिया भर में है, उसे संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए बदनाम करने का अभियान हमारे अपने ही लोगों ने छेड़ रखा है। इस अभियान के तहत ईवीएम को अविश्वसनीय करार देने की कोशिश रह–रहकर होती है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ईवीएम के स्थान पर मतपत्रों को फिर से लागू करने की मांग बाली जनहित याचिका को खारिज करते हुए न्यायालय ने टिप्पणी की है कि मशीनों को केवल तभी दोषी ठहराया जाता है जब कोई चुनाव हार जाता है। विपक्षी पार्टियों को लेकर कहा है कि अगर आप चुनाव जीतते हैं, तो ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं की जाती है। जब आप चुनाव हारते हैं, तो ईवीएम से छेड़छाड़ की जाती है। जब चंद्रबाबू नायडू हार गए, तो उन्होंने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। अब, इस बार जगन मोहन रेडी हार गए, उन्होंने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि ईवीएम पर हार का ठीकरा फोड़ना बंद कीजिए। दरअसल याचिकाकर्ता केए पॉल ने सुप्रीम कोर्ट में इसको लेकर व्यक्तिगत रूप से याचिका दायर की थी। याचिकाकार्ता पॉल ने व्यक्तिगत रूप से बहस करते हुए नायडू द्वारा 2018 के ट्वीट और रेड्डी द्वारा एक्स पर हाल ही में किए गए कुछ पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें चुनावों में उनकी हार के बाद ईवीएम से छेड़छाड़ की संभावना का आरोप लगाया गया था। साथ ही याचिका में चुनाव के दौरान वोटर्स को पैसा, शराब और दूसरी चीजों का लालच देने का दोषी पाए जाने पर ऐसे उम्मीदवारों को कम से कम पांच साल के लिए अयोग्य भोपित किए जाने की मांग की गई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। अगर देखा जाए तो पहली बार नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम को लेकर सख्त टिप्पणी की है। इसी साल 16 अक्टूबर को कांग्रेस की

ओर से प्रिया मिश्रा और विकास बंसल ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान 20 सीटों पर वोटिंग काउंटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगाकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान 17 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि ऐसी याचिका दायर करने पर आप पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इसी साल 26 अप्रैल को सुप्रीम सुप्रीम कोर्ट ने बैलट पेपर से चुनाव कराने और इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन और बीवी पैट स्लिप की 100 प्रतिशत क्रॉस चेकिंग कराने से जुड़ी याचिकाएं खारिज की थीं। साथ ही ईवीएम के इस्तेमाल के 42 साल के इतिहास में पहली बार जांच का रास्ता खोला था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस संजीव खन्ना ने ये फैसला सुनाया था। देखा जाए तो काफी लंबे समय से देश में विपक्षी दल लगातार ईवीएम पर सवाल उठाते रहे हैं। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार के बाद पार्टी ने ईवीएम के 99 फीसदी तक चार्ज रहने का मुद्दा उठाया था। अभी हाल में यूपी में संपन्न विधानसभा उपचुनाव में भी समाजवादी ने ईवीएम से छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि शीर्ष न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के बाद भी कांग्रेस ने बैलेट पेपर से चुनाव की मांग के लिए देशव्यापी अभियान चलाने का ऐलान किया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कांग्रेस चाहती हैं कि बैलेट पेपर से ही चुनाव हो और इसके लिए हम भारत जोड़ा यात्रा की तर्ज पर पूरे देश में अभियान चलाएंगे। लेकिन जैसा की सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए कि अगर ईवीएम में गड़बड़ी कर सत्ताधारी पार्टी चुनाव जीतती है, तो कई प्रदेशों में इंडिया गठबंधन की पार्टियां कैसे जीतती आ रही हैं। हकिकत यह है कि पूरे देश में कांग्रेस अपनी गलतियों के कारण हार रही है। मगर दुःखद बात है कि कांग्रेस हार को स्वीकार कर आत्ममंथन और समीक्षा के बजाय बहानेबाजी का आसान रास्ता चुन लेती है और ईवीएम पर ठीकरा फोड़ने की कोशिश करती है। मगर ऐसा करते हुए वह भूल जाती है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की महान लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसको विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा रही है। कांग्रेस या विपक्षी दल ऐसा पहली बार नहीं कर रहे। इससे पहले भी अपनी–अपनी सुविधा के हिसाब से पार्टियां ईवीएम पर चुप्पी या हो–हल्ला मचाती रही हैं। लेकिन ईवीएम एक बार नहीं, कई बार अग्निपरीक्षा से गुजरी और हर बार बेदाग निकली। ईवीएम पर 8 बार परीक्षण किया गया और ये हर बार बेदाग निकली। इंचीएम को लेकर कई बार मामले हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, लेकिन हर बार उसकी विश्वसनीयता अदिग्ध मिली। वीवीपैट पर्चियों और ईवीएम में दर्ज वोटों के मिलान में कभी कोई विसंगति नहीं दिखी। अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कई राज्यों में ईवीएम में दर्ज चोट और वीवीपैट का मिलान हुआ। सब सही पाया गया और ईवीएम बेदाग साबित हुई। कुल मिलाकर देखा जाए तो ईवीएम हर बार बेदाग साबित हुई है। इसका इस्तेमाल चुनाव प्रक्रिया को आसान बनाने और बूथ कैप्चरिंग जैसे अपराधों पर लगाम लगाने के लिए किया गया। बैलट पेपर से चुनाव के वक्त अक्सर बैलट बॉक्स लूटे जाने, उनमें स्याही डालने, बूथ कैप्बरिंग जैसे अपराध सामने आते थे लेकिन ईवीएम का दौर आने से अब वे अतीत का हिस्सा बनकर रह गए हैं। ईवीएम से वोटिंग से परिणाम भी जल्दी आते हैं नहीं तो बैलट पैपर्स की गिनती में ही 1–2 दिन और लोकसभा चुनाव में तो 3–3, 4–4 दिन तक लग जाते थे। सुप्रीम कोर्ट भी बैलट पेपर से बोटिंग कराने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। ईवीएम की शुचिता असंदिग्ध रहे, इसके लिए मशीन में दर्ज चोटों और वीवीपैट पर्चियों के मिलान होता है। पार्टियां अपनी हार का टोकरा ईवीएम पर फोड़कर अपने समर्थकों का जोश ठंडा होने या उन्हें मायूस होने से तो रोक लेंगे, लेकिन ऐसा करके वे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को बेवजह दागदार करने की कुत्सित कोशिश ही कर रहे होते हैं। संवैधानिक संस्थाओं को लांछित करने का ये खेल खतरनाक है। चुनाव आते–जाते रहेंगे, हार–जीत होती रहेंगी लेकिन निहित स्वार्थो के तहत चुनाव प्रक्रिया को लेकर जनमानस में संदेह पैदा करने की कोशिशें शर्मनाक हैं। कांग्रेस हो या कोई और पार्टी, इस आदत से बाज आना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि विपक्ष ईवीएम का नही अपने कार्यकलापों की समीक्षा कर कुछ सबक हासिल करें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

मुंबई इंडियंस युवा क्रिकेटरों को निखारने की परंपरा जारी रखेगी: नीता अंबानी

● युवा खिलाड़ियों को तराशने पर जोर

चमकता राजस्थान। मुंबई। मुंबई इंडियंस की मालिक नीता एम. अंबानी ने सोमवार को जेद्दाह में आयोजित आईपीएल नीलामी के बाद टीम में कई युवा खिलाड़ियों को शामिल करने पर अपनी खुशी जताई। उन्होंने टीम की उस परंपरा को रेखांकित किया, जो भारतीय क्रिकेट के लिए नई प्रतिभाओं को निखारने और विश्व स्तरीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए जानी जाती है।

नीता अंबानी ने कहा, ₹मेगा नीलामी का मतलब है नई शुरुआत और नई टीम, लेकिन मुंबई इंडियंस का जोश और जज्बा हमेशा पहले जैसा है। हमें गर्व है कि हमने कुछ नए प्रतिभावान चेहरों का स्वागत किया है और अपने पुराने खिलाड़ियों को भी वापस लाने में कामयाब हुए हैं। हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा जैसे मजबूत कोर खिलाड़ियों के आसपास एक नई टीम का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा, ₹हमारे लिए यह गर्व की बात है कि जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी मुंबई इंडियंस से निकलकर भारतीय टीम में अपनी जगह बना सके। अब हमारे पास नमन धीर, रॉबिन मिंज, अश्वनी कुमार और राज अंगद बावा जैसे युवा खिलाड़ी हैं, जिन्हें हम निखारने और नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का मौका देंगे।₹

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदलने की कवायद तेज

चमकता राजस्थान। अत्री कुमार दाधीच/जयपुर। हाल ही में हुए उपचुनावों में पाँच विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की ज़मानत ज़ब्त होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के विरोध में पार्टी में स्वर तेज हो गए हैं हालाँकि गोविंद सिंह डोटासरा हार का ठीकरा वहाँ से चुने गए सांसदों पर फोड़ने का प्रयास कर रहे हैं गोविंद सिंह डोटासरा को प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभालें पाँच वर्ष हो गए हैं लेकिन प्रदेश में कांग्रेस की जिस तेज़ी से साख गिरती जा रही यह है यह इनके कार्य कलापों का ही परिणाम है प्रदेश के अधिकांश कार्यकर्ता अपना दुखड़ा किसे सुनाए अधिकांश पदाधिकारी कागज़ों में ही बने हुए हैं प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा मुख्यालय में कभी कभार ही आते हैं वहीं प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एक या दो पदाधिकारियों के अलावा एक सो अट्ठावन पदाधिकारियों ने शायद बने तभी मुख्यालय देखा हो उसके बाद कहाँ हे बनाने वाला भी शायद ही जानता हो।

सूत्रों ने बताया कि विगत दो माह से प्रदेश गोविंद सिंह डोटासरा के ख़ास संगठन महासचिव ललित तुनवाल नई कार्यकारणी की रूप रेखा को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं लेकिन एक वर्ष से कम समय में हुए विधानसभा उपचुनाव में सात में से पाँच स्थानों पर ज़मानत ज़ब्त होना अध्यक्ष की कार्यप्रणाली को दर्शाता है ,सूत्रों ने बताया कि प्रदेश में उपचुनाव में मिली करारी हार को केंद्रीय नेतृत्व ने गंभीरता से लिया है और नेताओं की इन चुनावों में भूमिका संदिग्ध होने की सूचना को भी गंभीरता से लिया जा रहा है बताया जाता है कि पंजाब प्रांत मूल के प्रदेश में प्रभारी बने सुखविंदर सिंह रंधावा प्रदेश के लिए दिमक साबित हुए हैं सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस सरकार के समय टिकट वितरण में प्रभारी रंधावा ने धन बल के आधार पर टिकट वितरण कराए, यही नहीं अपने रिश्तेदारों को प्रचार प्रसार का जिम्मा दिला करोड़ों रुपये की हेरा-फेरी करने में भी बड़ा हाथ बताया गया ,इनके कार्य कलापों से सरकार आना तो दूर की कौड़ी साबित हुआ यही नहीं प्रभारी रंधावा ने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रदेश सदस्य ही नहीं वरन् पदाधिकारी बना दिया इससे ज़मीनी स्तर पर कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं में रोष देखा गया ,जिसका परिणाम पहले सरकार गंवाकर और उपचुनाव में ज़मानत ज़ब्त के रूप में देखा गया ,बताया जाता है कि प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा में आपसी तालमेल नहीं है प्रभारी रंधावा ने लोक सभा के चलते चुनाव में पैतालीस के क़रीब पदाधिकारी बनाए थे इनमें से अधिकांश पार्टी छोड़ चुके हैं जो बाक़ी रहे उन्हें प्रदेश अध्यक्ष ने मान्यता नहीं दी लेकिन यह पदाधिकारी ज़बरन प्रदेश मुख्यालय में कुर्सी पर क़ब्ज़ा जमाए देखे जा सकते हैं हालाँकि इन पदाधिकारियों का कहना वहाँ कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भी नहीं मानते लेकिन ये पदाधिकारी कार्यालय में बैठकर प्रॉपर्टी का व्यवसाय करने में मशगूल देखे जा सकते हैं ऐसे में संगठन की स्थिति क्या है यह किसी से छुपी नहीं डोटासरा इसी के सहारे क्या कांग्रेस की नैया पार लगाएंगे अब आने वाला समय बताएगा।

परिवहन विभाग –लेखा कार्मिकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण गुरुवार को

चमकता राजस्थान। जयपुर। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यरत कार्मिकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन गुरुवार, 28 नवंबर को भामाशाह टेक्नो हब में किया जा रहा है।

विभाग की वित्तीय सलाहकार श्रीमती वीनू गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम लेखा संबंधी विषयों जैसे अंकेक्षण, उपापन, कर गणना इत्यादि पर केंद्रित होगा। उन्होंने बताया कि कार्मिकों की कार्यकुशलता और जवाबदेही में सुधार के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में लगभग 70 लेखाकर्मी भाग लेंगे। यह सभी कार्मिक प्रशिक्षण उपरांत अपने-अपने क्षेत्र में जाकर सुशासन को बढ़ावा देंगे।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 के 18वें एडिशन के वक्ताओं की पहली सूची की घोषणा

चमकता राजस्थान

जयपुर। भारत के जाने-माने फेस्टिवल क्यूरेटर एवं प्रोडक्शन हाउस टीमवर्क आर्ट्स ने जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के बहुप्रतीक्षित 18वें एडिशन के वक्ताओं की पहली सूची जारी कर दी है। साहित्य की दुनिया के इस प्रतिष्ठित समारोह का आयोजन आगामी 30 जनवरी से 3 फरवरी, 2025 के दौरान, जयपुर स्थित होटल क्लार्क्स आमेर में किया जाएगा। दुनियाभर में 'धरती पर आयोजित होने वाले सबसे बड़े साहित्योत्सव' के तौर पर प्रतिष्ठित इस फेस्टिवल के मंच पर एक बार फिर लेखकों, विचारकों और पाठकों की महफिलें जुटेंगी जो साहित्य के हालातों और विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के साथ जुड़ाव कायम करने की इसकी अनूठी क्षमता के बारे में मिल-जुलकर विचार-मंथन करेंगे।

दुनियाभर में पुस्तकों और विचारों के इस सबसे बड़े उत्सव के 2025 एडिशन के जरिए एक बार फिर दूरियों को घटाने, सहानुभूति जगाने और हमारे साझा मानवीय अनुभवों का उत्सव मनाने के लिए कहानियों की ताकत को दोहराया जाएगा। पर्यावरण अनुकूल व्यवहार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के चलते, 2025 के संस्करण में पर्यावरण के प्रति सजगता पर प्रमुखता से जोर रहेगा। उत्सव के दौरान वाद-विवाद, चर्चाएं और अभूतपूर्व प्रस्तुतियों का दौर जारी रहेगा। 2025 एडिशन में सांस्कृतिक समृद्धियों, दिग्गज साहित्यिक कृतियों और पर्यावरण अनुकूल भविष्य पर जोर दिया जाएगा, जो कुल-मिलाकर इस फेस्टिवल को अभूतपूर्व बनाएगा।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के मूल में भाषायी विविधता है, और यही वजह है कि साहित्य का यह मेला विभिन्न भाषाओं को मंच प्रदान करता है। इस साल के सत्रों में हिंदी, बांग्ला, राजस्थानी, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, ओड़िया, संस्कृति, असमी, मलयालम, मराठी, पंजाबी और उर्दू समेत अनेक भाषाओं में कृतियों और चर्चाओं को परोसा जाएगा और इस प्रकार यह मेला समावेशिता के साथ-साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचायक होगा।

18वें एडिशन में अलग-अलग क्षेत्रों के 300 से अधिक वक्ताओं को शामिल किया गया है, जो प्रतिभागियों को वैश्विक एवं भारतीय साहित्यिक हस्तियों से जुड़ने का मौका देगा। वक्ताओं की पहली सूची में शामिल हैं आंद्रे एचिमन, अनिरुद्ध कनिसेट्टी, अन्ना फंडर, अश्वनी कुमार, कावेरी माधवन, क्लॉडिया डी राम, डेविड निकॉल्स, फियोना कारनारवन, इरा मुखौटी, आइरेनोसेन ओकोजी, जेनी एरपनबेक, जॉन वैलेंट, कलोल भट्टाचार्जी, मैत्री विक्रमसिंघे, मानव कौल, मिरियम मार्गोलिस, नसीम निकोलस तालेब, नाथन थ्राल, प्रयाग अकबर, प्रियंका मट्टू, स्टीफन ग्रीनब्लाट, टीना ब्राउन, वी वी गणेशनंदन, वेंकी रामाकृष्णन, और यरोस्लावा त्रोफिमोफ सरीखी साहित्यिक दुनिया की प्रतिभाएं जो उत्सव के दौरान विचारों से भरे साहित्यिक चर्चाओं का भरोसा दिलाती हैं।

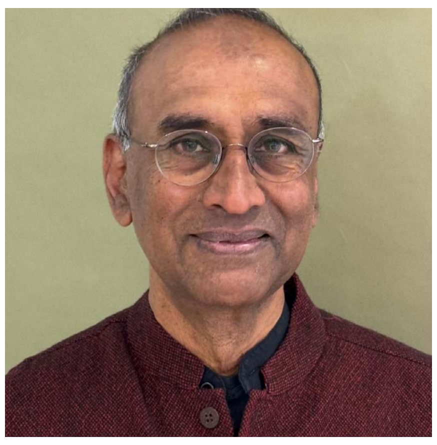

फेस्टिवल की प्रमुख प्रेरणाएं -

● **नमिता गोखले, जानी मानी लेखक और फेस्टिवल की सह-निदेशक, का कहना है:**

» ''जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल हमेशा से ही कहानियों, नए विचारों और संस्कृतियों का संगम रहा है। अब जबकि हम 18वें एडिशन की तैयारी में जुटे हैं, तो हम वास्तव में, प्रेरित करने, चुनौती देने और एकजुट करने की साहित्य की ताकत का जश्न मना रहे हैं। इस साल, हम लेखकों, कवियों और विचारकों की ऐसी अविश्वसनीय पंक्तियों का स्वागत करने जा रहे हें जो दर्शकों के साथ कभी न भुलाए जा सकने वाले संवाद–सत्रों का नेतृत्व करेंगे और लिखित शब्दों के प्रति परस्पर स्नेहभाव को भी साझा करेंगे।''

● **विलियम डैलरिंपल, जाने माने इतिहासकार, लेखक और फेस्टिवल के सह-निदेशक, का कहना है:**

» ''जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल शुरुआत से ही लिखित शब्दों का उत्सव रहा है, यह विविध किस्मों की आवाजों का संगम साबित होता आया है और प्रेरित करने तथा जुड़ाव कायम करने की कहानियों की ताकत का भी जीता–जागता सबूत है। इस साल, जबकि हम एक बार फिर गुलाबी नगरी में जुड़ेंगे, हम दुनियाभर से यहां आने वाले दिग्गज लेखकों, विचारकों और स्वप्नदर्शियों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। यह एक ऐसी जगह हैं जहां विचारों की चिंगारी फूटती है, जहां संस्कृतियों का समागम होता है और जहां आपसी संवादों को फलने–फूलने की जगह मिलती है – यह सही मायने में साहित्य का उत्सव है।''

● **संजय के रॉय, प्रबंध निदेशक, टीमवर्क आर्ट्स का कहना है:**

''जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल आज ग्लोबल ब्रैंड है जो संस्कृति, रचनाशीलता और परस्पर सहयोग का पर्याय बन चुका है। इस साल, हम इसके प्रभाव को और बढ़ाना चाहते हैं, और इसे केवल साहित्य के उत्सव तक ही सीमित न रखकर दुनियाभर के दर्शकों को कहानी सुनाने (स्टोरीटेलिंग) वाले शक्तिशाली मंच के तौर पर और मजबूती देने का इरादा रखते हैं। यह फेस्टिवल अपने भागीदारों, प्रायोजकों और अन्य हितधारकों के लिए अभूतपूर्व अवसरों की पेशकश करते हुए उन्हें विस्तृत दर्शक वर्गों से जुड़ने का मौका देता है। साथ ही, सार्थक बातचीत के अवसर प्रदान कर वैश्विक स्तर पर उनकी पहचान बढ़ाता है। यह केवल आयोजन नहीं है झ्र बल्कि संस्कृतियों की आपसी दूरियां मिटाने और नवाचारों को प्रेरित करने वाला आंदोलन है।''

● **जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 की प्रमुख झलकियां**

जयपुर बुकमार्क (जेबीएम): रचनात्मकता और वाणिज्य की दूरियों को मिटाने की पहल जयपुर बुकमार्क का यह 11वां एडिशन होगा जो कि साहित्यिक दुनिया के प्रतिष्ठित बी2बी नेटवर्किंग प्लेटफार्म के तौर पर अपनी चमक बिखेरने के लिए तेयार है। यह प्रकाशकों, लेखकों, साहित्यिक एजेंटों और इंडस्ट्री के दिग्गजों का अड्डा है जो नवाचार, परस्पर सहयोग और नए अवसरों का मंच बनता है। फेस्टिवल के व्यावसायिक पहलू के रूप में, जेबीएम ऐसा मंच है जहां विचारों को प्रभावशाली वैश्विक परियोजनाओं का जामा पहनाया जाता है।

● **विरासतों को समर्पित संध्याएं और जयपुर म्युजिक स्टेज**

साहित्य से परे, यह फेस्टिवल कला और संस्कृति की दुनिया का भी उत्सव है, जिसमें विरासतों पर केंद्रित संध्याएं शामिल होती हैं और जयपुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में उपस्थित प्रतिभागियों को राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का स्वाद दिलाती हैं। जयपुर म्युजिक स्टेज, जो कि फेस्टिवल के समानांतर अपनी स्वरलहरियां बिखेरता है, के मंच पर जाने माने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संगीतकारों की जोरदार प्रस्तुतियां देखी जा सकती हैं, जो इस पूरे आयोजन को सुर-ताल की मधुरता से भरती हैं।

● **वैश्विक स्वरों को भी मिलता है मंच**

विश्व के सर्वाधिक पसंदीदा साहित्यिक जमावड़े के तौर पर अपनी पहचान बना चुके जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल ने एक लोकतांत्रिक, निर्गुट मंच की अपनी छवि में और निखार लाते हुए बीते वर्षों के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा समावेशिता को भी स्वर दिया है। हर साल, यह फेस्टिवल ऐसी आवाजों को एकजुट करता है जो यथास्थिति को ध्वस्त करती हैं, नवाचार को प्रेरित करती हैं और साथ ही, विविधता का उत्सव मनाते हुए, इस मेले को बौद्धिकता एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान की मशाल के रूप में और चमक प्रदान करती हैं। जयपुर लिटरेचर फेस्टवल 2025 केवल आयोजन नहीं है, यह वास्तव में, विचारों, संस्कृतियों तथा कहानी कहने की कला के प्रति सार्वभौमिक प्रेम को दर्शाने वाला उत्सव है। आप साहित्य के दीवाने हैं, या उदीयमान लेखक अथवा बातचीत और संवादों को पसंद करने वाले, इस फेस्टिवल को आपका इंतजार है।

सप्तम हाडौती गौरव सम्मान 2025 के कार्यक्रम संयोजक बने के के शर्मा कमल

चमकता राजस्थान

कोटा । हाडौती क्षेत्र में ,समाज सेवा , राष्ट्रीय सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, जल स्वावलंबन, स्वच्छता, पर्यावरण ,बाल विकास ,सरकारी सेवा समेत अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने, ० हाडौती का देश में नाम रोशन करने वाली 101 प्रतिभाओ को , ₹हाडौती गौरव सम्मान 2025₹ के अलंकरण से नवाजा जायेगा। इसके लिए कोटा इंटरनेशनल सोसाइटी की और से कार्यक्रम संयोजक समाजसेवी के के शर्मा कमल को मनोनीत किया गया ।

न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसायटी के सचिव इंजीनियर पुष्पकान्त ने बताया कि सोसायटी की कार्यकारिणी की आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से 5 जनवरी को हाडौती गौरव सम्मान 2025 को आयोजित करने,तथा इस कार्यक्रम के संयोजक के लिए समाजसेवी के के शर्मा कमल का मनोनयन किया गया। सचिव ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रो में जिला स्तर पर ,पंचायत समिति स्तर पर ,ग्राम स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों को एक मंच पर लाकर उनके कार्यों की पहचान हाडौती ही नही पूरे राज्य में हो इसके लिए न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसाइटी के तत्वाधान में ₹हाडौती गौरव सम्मान 2025₹ में सम्मानित करने का बीड़ा उठाया है यह हाडोती गौरव सम्मान का सप्तम कार्यक्रम होगा ।

● **आवेदन 25 दिसंबर तक न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसाइटी के तत्वाधान में होगा आयोजन**

अध्यक्ष श्रीमती अंजू शर्मा ने बताया कि 5 जनवरी को दोपहर 2:00 बजे संभागीय मुख्यालय कोटा में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमे हाडौती की सर्व समाज की प्रतिभाओ का अतिथियों के द्वारा सम्मान किया जायेगा।

सचिव इंजीनियर पुष्पकान्त ने बताया कि 5 जनवरी को आयोजित होने वाले हाडौती गौरव सम्मान 2025 कार्यक्रम के लिए न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसाइटी की कोर कमेटी के द्वारा प्रतिभाओ का चयन किया जाएगा ।सम्मान के इच्छुक अपना आवेदन 25 दिसंबर तक email- kotainternational2010@gmail.com पर भी आवेदन कर सकेंगे। कोर कमेटी के द्वारा चयनित ० सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं को सम्मान की सूचना सोशल मीडिया व व्यक्तिगत रूप से दी जाएगी । सोसायटी की आयोजित बैठक में हाडौती के कोटा,बूंदी,बारां,झालावाड़ जिलो में भी कार्यक्रम संयोजक मनोनीत करने व उनके द्वारा भी जिले की प्रतिभाओ का आवेदन लेने,० स्वच्छ एवं स्वस्थ कोटा अभियान में भागीदारी निभाने तथा शीतकालीन बाल संस्कार शिविर लगाने ,का सर्वसम्मति से निर्णय गया। इस अवसर पर सोसायटी अध्यक्ष अंजू शर्मा, सचिव इंजीनियर पुष्पकान्त, कोषाध्यक्ष दिनेश पोटर, कार्यकारिणी के सदस्यगण सन्दीप सिंह, रेणु , सन्तोष कुमार, डॉक्टर शेखर, रविन्द्र कुमार, ब्रिजबल्लभ , अखलाक ,सोनी, शिल्पी , काजल सिंह, रतन देवी, नरेंद्र कुमार, धीरेंद्र सिंह, पंकज, हर्षित शर्मा मुकेश सिंह देव कृष्ण समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का प्रेरणादायी मार्गदर्शन और अन्त्योदय की भावना से प्रेरित जनकल्याण का संकल्प, सदैव नयी उर्जा प्रदान करता है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान: राजकीय बालिका विद्यालय बाड़ी में छात्राओं को शपथ दिलाई

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। आज राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में मंजरी फाउंडेशन धौलपुर के सदस्य ऋषि राम ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने विद्यालय की छात्राओं को बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई और उनसे यह आ''ान किया कि वे न केवल अपने जीवन में बाल विवाह से बचें, बल्कि यदि उनके परिवार, समाज या आस-पास किसी भी जगह पर बाल विवाह की कोई घटना घटित होती है, तो

उसे तुरंत विद्यालय प्रशासन या स्थानीय प्रशासन को सूचित करें। ऋषि राम ने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक कुरीति है, जो न केवल लड़कियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है। उन्होंने यह भी कहा कि एक मजबूत और प्रबुद्ध समाज तभी बन सकता है, जब हम बाल विवाह जैसे कुरीतियों को जड़ से समाप्त करें। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे अपनी शिक्षा को प्राथमिकता दें, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने जीवन के लक्ष्यों को हासिल कर सकें। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विनोद कुमार शर्मा ने केंद्र सरकार के इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने के लिए सभी छात्राओं को प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं से कहा कि 18 वर्ष से पहले किसी भी छात्रा का विवाह नहीं होना चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि यदि परिवार में या समाज में कहीं बाल विवाह का प्रयास होता है, तो उसे तुरंत विद्यालय या प्रशासन को सूचित किया जाए ताकि लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने का पूरा अवसर मिल सके और वे अपनी प्रतिभा को समाज की सेवा में लगा सकें, प्रधानाचार्य ने यह भी बताया कि बाल विवाह से बचने के लिए विद्यालय में हमेशा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और विद्यार्थियों को इस मुद्दे पर शिक्षा दी जाएगी। कार्यक्रम में विद्यालय के एसडीएमसी सदस्य रामदास, वरिष्ठ पत्रकार तरुण, शिक्षक अशोक शर्मा, बशारत अली खान, योगेश कुमार पालीवाल, नरेंद्र मीणा, मनीष यादव, पिंकी शर्मा, राखी मीणा, सुरेश शर्मा, अश्वनी भारद्वाज, सुनीता मीणा, संजय मीणा, कीर्ति गर्ग, नीलम शर्मा सहित विद्यालय का पूरा स्टाफ मौजूद था।

विधायक दीनदयाल बैरवा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने किया पायलट का आभार व्यक्त

चमकता राजस्थान

जयपुर। दौसा से नव-निर्वाचित विधायक दीनदयाल बैरवा के नेतृत्व में आज सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने जयपुर पहुंचकर कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए पायलट ने कहा कि इन उपचुनावों पर खास कर दौसा विधानसभा क्षेत्र पर पूरे देश की नजर थी। यहां से पार्टी को जो कामयाबी मिली है उसका श्रेय आप सभी को जाता है। उन्होंने कहा कि दौसा के सांसद मुरारीलाल मीणा, जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्षों, मण्डल अध्यक्षों सहित सभी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एकजुटता के साथ कार्य किया। दौसा के प्रत्येक समाज, वर्ग के लोगों ने कांग्रेस पार्टी का साथ देकर इस चुनौती पूर्ण समय में एकजुटता का परिचय दिया और सरकार, प्रशासन के दबाव में नहीं आकर कांग्रेस प्रत्याशी को अपना समर्थन एवं आशीर्वाद दिया जिसके लिए मैं दौसा की जनता का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। इस अवसर पर नव-निर्वाचित विधायक बैरवा ने पायलट का आभार व्यक्त करते हुए सभी समाज, वर्ग के लोगों को साथ लेकर कार्य करने तथा दौसा के विकास एवं जनहित के मुद्दों के लिए जो भी संघर्ष करना पड़ेगा एकजुटता के साथ करने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर बैरवा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित एआईसीसी एवं प्रदेश के सभी नेताओं का भी आभार व्यक्त किया।

नवनिर्वाचित विधायक दीनदयाल बैरवा ने की सचिन पायलट से मुलाकात

» **चमकता राजस्थान।** जयपुर। सचिन पायलट से आज सुबह उनके आवास पर दौसा से नवनिर्वाचित विधायक दीनदयाल बैरवा ने मुलाकात कर उपचुनाव जीत के लिए आभार प्रकट किया।

संक्षिप्त समाचार

धौलपुर में संविधान दिवस पर कांग्रेस सेवादल की विचार गोष्ठी, अभिषेक यादव ने सदस्यता ग्रहण की

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। आज धौलपुर के महात्मा गांधी पार्क में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर जिला प्रभारी भूपेंद्र भारद्वाज और जिला कांग्रेस अध्यक्ष साकेत बिहारी शर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विचार गोष्ठी आयोजित की गई, कार्यक्रम में कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष समृद्धि दीक्षित, प्रदेश सचिव अमित मुदगल, वरिष्ठ कांग्रेसी दुर्गा दत्त शास्त्री, महिला सेवादल जिला अध्यक्ष शबनम खान सहित कई नेताओं ने भारतीय संविधान की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने संविधान की रक्षा की शपथ ली और इसे देश की आत्मा बताया। इसी कार्यक्रम के दौरान, अभिषेक यादव ने कांग्रेस सेवादल की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि वे देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता के लिए समर्पित कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं और पार्टी को लोकतंत्र की मजबूती के लिए आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में महिला कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष शबनम खान, यंग ब्रिगेड जिलाध्यक्ष शिवा चौधरी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष भावना सिंघल और कई अन्य नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव ने किया सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण, दिये आवशयक दिशा-निर्देश

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर की सचिव एडीजे रेखा यादव ने पीड़ित महिलाओं की सहायता हेतु महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के सदस्य सचिव के निर्देश और जिला एवं सेशन न्यायाधीश सतीश चंद के मार्गदर्शन में किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव यादव ने सेंटर में पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया और वहां संधारित रजिस्टरों का अवलोकन किया। सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सर्दी से बचाव और गर्म पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सेंटर में आवासित महिलाओं और बालिकाओं से भी बातचीत की और उनकी सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।सचिव यादव ने कहा कि सखी वन स्टॉप सेंटर का उद्देशय हर जिले में पीड़ित महिलाओं को विधिक सहायता, सुरक्षा और अन्य आवशयक सेवाएं प्रदान करना है। इस केंद्र के तहत पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थाई आश्रय, पुलिस सहायता, विधिक सहायता, चिकित्सा और काउंसलिंग जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सुरेन्द्र सिंह, राहुल डण्डौतिया और वन स्टॉप सेंटर का स्टाफ मौजूद था।

ग्राम सभा में हुआ सामाजिक अंकेक्षण और दिलाई बाल विवाह के खिलाफ शपथ

चमकता राजस्थान। रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर / नसीराबाद झड़वासा कस्बे के भारत निर्माण राजीव गाँधी सेवा केंद्र पर राजस्थान सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अनुपालना में सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रम वर्ष 2024-25 माह नवंबर (तृतीय चरण) पर सरपंच भंवर सिंह गौड की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कनिष्ठ लिपिक रतन लाल राव ने बताया की उक्त ग्राम सभा में सर्व प्रथम पूर्व बैठकों को सदन पढ़कर सुनाया गया और विभाग के आदेशानुसार महात्मा नरेगा व प्रधान मंत्री आवास योजना व एसबीएम में स्वीकृत शौचालयों का अवधि 1 अप्रेल से 30 सितम्बर 2024 तक (प्रथम छः माहि) 2024-25 जिसका सामाजिक अंकेक्षण 21नवंबर से 24 नवंबर तथा ग्राम सभा आयोजन की दिनांक 27 नवंबर तक का सामाजिक अंकेक्षण किया गया। इस मौके महिला आधिकारिता विभाग के ग्राम साथिन तारा की पहल पर बाल विवाह के खिलाफ शपथ भी दिलाई गई और एकल जन सेवा संस्थान अजमेर के क्लस्टर कोड़िनेटर शंकर लाल राव नें भी उपस्थित अभिभावकों को ऑनलाइन क्लास माइंड प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर पंचायत समिति श्री नगर से जेटीए (नरेगा) इंद्रजीत प्रजापत व सामाजिक अंकेक्षण दल के संसाधन व्यक्ति निया रेगर, रशीदा बानो, दीपमाला, रेखा डाबरिया, रितु देतवाल, ज्योति रील कनिष्ठ लिपिक सुनीता चौधरी, सीमा कतुरिया, कांता टेलर, चंद्रकांता जांगिड़, मधु सेन और दिनेश वैष्णव, सोनू व सांवर लाल खारोल, संजू मोटिस, कालू भड़क, मनसुख जाट सहित ग्राम कई महिला पुरुष उपस्थित थे

पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा-2024 के लिए नियंत्रण कक्ष की स्थापना

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 1 दिसंबर से 3 दिसंबर तक आयोजित होगी परीक्षा

जयपुर शहर के 130 परीक्षा केन्द्रों में 6 पारियों में आयोजित होगी परीक्षा

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 27 नवंबर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 1 दिसंबर से 3 दिसंबर 2024 तक पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा-2024 का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन जयपुर शहर के 130 केन्द्रों पर होगा। छह पारियों में (प्रथम पारी प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे एवं द्वितीय पारी दोपहर 2:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक) आयोजित होने वाली परीक्षा में कुल 2 लाख 60 हजार 163 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिये कलक्ट्रेट के कमरा नंबर 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है जिसका संचालन 29 नवंबर से 3 दिसंबर 2024 तक किया जाएगा। नियंत्रण कक्ष 29 नवंबर एवं 30 नवंबर 2024 तक प्रातः 10 बजे से सांय 6 बजे तक कार्य करेगा। वहीं, 01 दिसंबर से 03 दिसंबर 2024 को को प्रातः 6 बजे से परीक्षा समाप्ति उपरान्त नियंत्रण कक्ष से संबंधित समस्त कार्य पूर्ण होने तक कार्य करेगा। परीक्षा के लिए कुल छह पारियों में 414 उप समन्वयक एवं 69 उड़नदस्तों का तैनाती की गई है।उन्होंने बताया कि जयपुर स्थित पर-ीक्षा केन्द्रों के लिए नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नम्बर 0141-2206699 रहेगा। उक्त नियंत्रण कक्ष पर जयपुर में स्थापित किये गए परीक्षा केन्द्रों से संबंधित जानकारियां प्रदान की जाएंगी एवं जयपुर स्थित परीक्षा केंद्रों से संबंधित शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परीक्षा के आयोजन के लिए पुलिस, नगर निगम, यातायात पुलिस, शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, नागरिक सुरक्षा विभाग, विद्युत विभाग, रोडवेज, जेसीटीसीएल सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है।

प्रतापगढ़ पुलिस की कार्रवाई : अवैध जुआ सटटा खिलाते 06 अभियुक्त गिरफ्तार

- 23 मोबाईल, 01 टेबलेट व कार जब्त, लाखों का हिसाब किताब मिला

चमकता राजस्थान। जयपुर/प्रतापगढ़! (खलील कुरैशी) 27 नवंबर। प्रतापगढ़ पुलिस ने अवैध तरीके से जुआ सट्टा खिलाने के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई कर हाउसिंग बोर्ड स्थित एक मकान में दबिश देकर मध्य प्रदेश के रतलाम निवासी 6 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। मौके से पुलिस ने 25 मोबाइल, एक टैबलेट, हिसाब किताब के रजिस्टर एवं एक कार जप्त की है। जप्त किए गए रजिस्टर, टैबलेट व अन्य दस्तावेजों में लाखों रुपए का हिसाब किताब मिला है।एसपी विनीत कुमार बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गोपाल बैरागी पुत्र शंकरदास (44), अल्कापुरी थाना ओधोगिक रतलाम, महेश चन्द्र तिवारी पुत्र सोहनलाल (66) व हार्दिक सोनी पुत्र अभिनंदन (35) दीनदयाल नगर रतलाम, नासीर अहमद पुत्र मेहबुब खा (65) मदीना कोलोनी थाना माणक चौक रतलाम, प्रकाश अग्रवाल पुत्र चन्द्रमोहन (63) राजेन्द्र नगर रतलाम एवं मोहम्मद रफीक पुत्र छोटे खां (58) जावरा रोड महावीर नगर रतलाम के रहने वाले हैं।एसपी बंसल ने बताया कि मुखबिर से हाउसिंग बोर्ड के एक मकान में जुआ सट्टा के संचालन की सूचना मिलने पर एएसपी बलवीर सिंह मीणा व सीओ गजेन्द्र सिंह राव के मार्गदर्शन व एसएचओ दीपक कुमार बन्जारा के नेतृत्व में गठित की गई टीम द्वारा सर्च वारंट प्राप्त कर दबिश दी गई। मकान के एक कमरे मे छः आदमी ऑनलाइन मोबाईल व टेबलेट से सटटा लगाते हुए मिले। मौके पर मिले सट्टा सामग्री, इलेक्ट्रोनिक उपकरण व कुल 23 मोबाईल, 03 चार्जर, एक टेबलेट, एक्सयुवी कार जब्त कर सटोरियों को गिरफ्तार कर थाना प्रतापगढ पर प्रकरण संख्या दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। आरोपी फर्जी सिम का प्रयोग कर लोगों से संपर्क करते हैं। जिनसे अंको पर रूपयों का दांव लगवा कर सट्टे की खाईवाली करते है। जब्त टेबलेट व रजिस्टर और अन्य दस्तावेजों में लाखों रूपयों का हिसाब मिला है। जिसके सम्बध में अनुसंधान जारी है।

भरतपुर में वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी 1 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 27 नवम्बर, बुधवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर भरतपुर इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये सौरभ कुमार गुप्ता वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सालय प्रथम श्रेणी-रूपवास, भरतपुर को परिवादी से 1 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की भरतपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी चार भैसों के चारा-पानी के लिये आवेदित लोन फार्म को सत्यापित करने की एवज में आरोपी सौरभ कुमार गुप्ता वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रति पशु 500/- रुपये के हिसाब से 2 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी भरतपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के सुपरवीजन में एसीबी की भरतपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी सौरभ कुमार गुप्ता वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी को परिवादी से 1 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 1 हजार रुपये की रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये थे।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

जिला कलक्टर के निर्देश पर रसद विभाग की बड़ी कार्रवाई

- रसोई गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण एवं अवैध रीफिलिंग का किया पर्दाफाश
- 32 घरेलू गैस सिलेंडर और 2 इलेक्ट्रॉनिक मोटर भी की जब्त

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 27 नवंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में रसद विभाग के प्रवर्तन जांच दल ने जयपुर के सांगानेर के सुखदेवपुरा में बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए रसोई गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण एवं अवैध रीफिलिंग का पर्दाफ-ाश किया।जिला रसद अधिकारी त्रिलोक चंद मीणा ने बताया कि प्रवर्तन दल ने मौके से 2 मोटर एवं 31 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किये हैं। उन्होंने बताया कि टीम ने नाटाणीवाला में चौखी ढाणी के पीछे एक मकान में छापा मारा और कार्रवाई को अंजाम दिया।जांच दल में प्रवर्तन अधिकारी महेश कुमार मीणा, प्रवर्तन निरीक्षक गोविन्द दान देथा, अशोक कुमार, सौरव गुर्जर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गोकुल मिशन योजना से राजस्थान के 32 लाख किसानों सहित देशभर के 4 करोड़ 58 लाख से अधिक किसान हुए लाभान्वित: मदन राठौड़

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के तारांकित सवाल के जवाब में पशुपालन एंव डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने जवाब में दी जानकारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देशभर के पशुपालकों की आय बढ़ाने और दुग्ध उत्पादन को बढावा देने के उद्देशय से शुरू की कई राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना कारगर साबित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान पशुपालन विभाग की ओर से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि पिछले 10 वर्षों में दूध उत्पादन में 63.56 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वर्ष 2014-15 में जहां 146.3 मिलियन मीट्रिक टन दूध उत्पादन किया जा रहा था, वो वर्ष 2023-24 में 239.3 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया। वहीं देशभर में पशुओं की देशी नस्ल सुधार के लिए आईवीएफ तकनीक का इस्तेमाल करते हुए 32 बछडे और बछडियों को जन्म दिया गया।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के लक्ष्य प्राप्ति और देशभर में इस योजना से लाभान्वित किसानों को लेकर राज्यसभा में तारांकित सवाल लगाया। इसके जवाब में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह जवाब दिया कि योजना से देशभर में 4 करोड़ 58 लाख 14 हजार 284 किसान लाभान्वित हुए है। इसमें राजस्थान के 32 लाख 47 हजार 550 किसान राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के माध्यम से लाभान्वित हुए। इतना ही नहीं, देशभर में पश-ुओं की नस्ल सुधार के लिए 38 हजार से अधिक मैत्रियों को लगाया गया। इसमें राजस्थान में 771 मैत्री कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन के तौर पर कार्य कर रहे है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत देशी नस्लों के सुधार की दिशा में भी सराहनीय कार्य किया गया है। इसमें राजस्थान की साहीवाल, थारपारकर और राठी नस्ल के पशुओं की संतति परीक्षण और नस्ल चयन कार्यक्रम शुरू किया गया। वहीं राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के दौरान पिछले तीन सालों में राजस्थान के 32.47 लाख किसान लाभान्वित हुए और 55.99 लाख पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान किया गया। इतना ही नहीं, राजस्थान में दे-शी पशुओं की नस्ल सुधार के लिए 7 नस्ल वृद्धि फार्म स्थापित किए जाएगे। इसके लिए केंद्री की ओर से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। वहीं दूसरी ओर 70 व्यक्तियों को सामुदायिक संसाधन व्यक्ति ए-हेल्प का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। इसके तहत इन प्रशिक्षित व्यक्तियों को पशुधन उत्पादन के विस्तार हेतु मान्यता प्राप्त एजेंट के तौर पर नियुक्त किया जाएगा।

उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द बिश्नोई के उचित निर्देशन में जेडीए निरंतर कर रहा अवैध कॉलोनियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई

जेडीए ने 57 बीघा भूमि पर पाँच नवीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

- सात बीघा सरकारी भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त
- मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आशीष चौधरी का कुशल नेतृत्व बड़ा रहा जेडीए प्रवर्तन शाखा का इक़बाल

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 27 नवम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में निजी खातेदारी करीब 34.5 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। जोन-11 में निजी खातेदारी करीब 22 बीघा कृषि भूमि पर 02 नवीन अवैध कॉलोनियों का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त एवं ग्राम बगरू तहसील सांगानेर में करीब 7 बीघा गैर मुमकिन आम रास्ता, चारागाह सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सेवापुरा दौलतपुरा रोड पर कचरा प्लांट के पास जिला जयपुर में करीब 27 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई डामर की 07 सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मोठू का वास के खोरा श्यामदास जाने वाले चौराहे के पास जिला जयपुर में करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीएकीबिनास्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर 'श्याम वाटिका विस्तार' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।जेडीए द्वारा जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम चोमू में होली दरवाजे के पास जिला जयपुर में करीब 1.5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमिपरजेडीएकीबिनास्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर 'बालाजी नगर' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बगरू तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 20 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर 'जगन्नाथ सिटी' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई सीमेंट के ब्लॉक की सडके, 'प्लोटो की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बगरू तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में जगन्नाथ सिटी के पास में ही करीब 2 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर 'जयश्री श्याम' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई सीमेंट के ब्लॉक की सडके 'प्लोटो की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

इसी प्रकार जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम बगरू तहसील सांगानेर, जिला जयपुर के खसरा नं. 6316, 6314 व 6257 में करीब 07 बीघा गैर मुमकिन आम रास्ता, चारागाह सरकारी भूमि पर स्थानीय काश्तकारों द्वारा कब्जा-अतिक्रमण कर टीनषेड, चद्दर छप्पर, गोबर की छाने व लकडी की छडियां, लगाकर तारबंदी कर अवैध कब्जा-अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर आज उपायुक्त जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-13, 11 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा माह अक्टूबर वर्ष 2024 से आज तक कुल 70 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया, 66.5 बीघा सरकारी भूमि, 06 गैर मुमकिन आम रास्तो को अतिक्रमण मुक्त करवाय जा चुका है।उप महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित षिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24×7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल ी.ि@१-ं२३ॅल.ॅड्ढ५.ल &ील्लाड्ढशूील्ल.ि@ १२३ॅल.ॅड्ढ५.ल पर अवैध निर्माण/कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत/परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

संक्षिप्त समाचार

जयपुर ग्रेटर निगम सतर्कता शाखा की टीम ने दिया कार्यवाही को अंजाम

- पिंजरापोल गौशाला से लेकर सांगानेर थाना पुलिया के दोनों तरफ लगभग 20 अवैध स्थाई अतिक्रमण एवं अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध की कारवाई

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 27 नवम्बर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा राईजिंग राजस्थान समिट 2024 की तैयारी को लेकर पिंजरापोल गौशाला से लेकर सांगानेर थाना पुलिया के दोनों तरफ लगभग 20 अवैध स्थाई अतिक्रमण एवं अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध 6 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज कर 03 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि राईजिंग राजस्थान समिट 2024 की तैयारी को लेकर पिंजरापोल गौशाला से लेकर सांगानेर थाना पुलिया के दोनों तरफ लगभग 20 अवैध स्थाई अतिक्रमण एवं अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 03 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व मौके पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 6 हजार रूपये का केरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाईश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

सीएलजी सदस्यों, पुलिस मित्रों और सुरक्षा सखी की थाने में बैठक आयोजित

जनता के हित में उठाए गए कदम

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण/धौलपुर। को बाड़ी पुलिस कोतवाली में आज सीएलजी सदस्य, पुलिस मित्रों और सुरक्षा सखी की बैठक थानाधिकारी शिवलहरी मीणा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जनता की सुरक्षा और सुविधा से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें तेज गति से चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई, टैम्पो और थ्री व्हीलरों द्वारा क्षमता से अधिक सवारी ले जाने पर करवाई, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उठाए उठाए जाएंगे कदम, जेबकटी की घटनाओं पर कड़ी नजर रखना, और ट्यूशन केन्द्रों पर निगरानी रखना अहम मुद्दा बताया। बैठक में यह भी बताया गया कि पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर जल्द ही सीएलजी सदस्यों के साथ मीटिंग करेंगे, और समस्याओं के समाधान के लिए ऑनलाइन बैठक का आयोजन भी किया जाएगा। इसके अलावा, अपराधों पर नियंत्रण और समाज में शांति बनाए रखने के लिए सीएलजी सदस्यों, पुलिस मित्रों और सुरक्षा सखी की भूमिका को और मजबूत किया जाएगा। बैठक में जनता के हित में किए गए इन कदमों को लेकर सीएलजी सदस्य नितिन, नरेंद्र मंगल, नरेंद्र गोयल, डॉ. आशुतोष शर्मा, विष्णु महेरे, महेश भाटेले, राकेश शर्मा, शुभम भारद्वाज, रामदास तरुण, राजू शर्मा, मलिक इमरान, पत्रकार मदन मोहन, रसीद खान, राजेश मुदगल, अनिल आरटीआई, सतीश प्रजापति और मदनमोहन सिंघल सहित अन्य लोग उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर जनता की सुरक्षा और विकास के लिए काम करने का संकल्प लिया।

एसीबी महानिदेशक पुलिस डॉ.रवि प्रकाश मेहरड़ा के निर्देशन में एसीबी ने दिया प्रभावी कार्रवाई को अंजाम

- सांचौर में पुलिस थाना सांचौर का हैड कानिस्टेबल 25 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 27 नवम्बर, बुधवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की सिरोही इकाई द्वारा आज सांचौर में कार्यवाही करते हुये किशनाराम हैड कानिस्टेबल पुलिस थाना सांचौर, जिला सांचौर को परिवादी से 25 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की सिरोही इकाई को परिवादी द्वारा एक शिकायत इस आशय की दी गई कि उसके परिवारजनों के विरूद्ध दर्ज मुकदमे में मदद करने की एवज में आरोपी किशनाराम हैड कानिस्टेबल 50 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस हरेन्द्र महावर के सुपरवीजन में ए.सी.बी. की सिरोही इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वर लाल के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज पुलिस निरीक्षक कुयाराम द्वारा मय टीम के सांचौर में ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी किशनाराम हैड कानिस्टेबल को परिवादी से 25 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि शिकायत के सत्यापन के दौरान भी आरोपी हैड कानिस्टेब द्वारा परिवादी से 5 हजार रुपये अपने परिचित के खाते में जरिये फोन पे ट्रांसफर करवाकर वसूल कर लिये गये थे एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

शाहपुरा के बाबा गंगादास राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् की महाविद्यालय निरीक्षण वीजीट

सेक्सुअल हैरेसमेंट, शिकायत पेटी, छात्रवृत्तियों, लाइब्रेरी, ऑफिस डॉक्यूमेंट्स, रुसा फाइल्स आदि का किया मुल्यांकन

चमकता राजस्थान

शाहपुरा (खलील कुरैशी) शाहपुरा शहर स्थित बाबा गंगादास राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो. नरेश कुमार मीना के नेतृत्व में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् की महाविद्यालय निरीक्षण विजिट के द्वितीय दिवस पर टीम के चेयरपर्सन प्रो. आर. जे. राव, मेंबर कॉर्डिनेटर प्रो. अरुण होता तथा सदस्य डॉ. एन. एम. मकंदर के द्वारा महाविद्यालय के पिछले पांच सालों 2018 से 2023 तक का गहन निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण में आईक्यूंएसी एवं नैक के विभिन्न क्राइटेरिया के दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन किया। उन्होंने महाविद्यालय की विभिन्न समितियों जिसमें महिला प्रकोष्ठ, सेक्सुअल हैरेसमेंट, शिकायत पेटी, छात्रवृत्तियों, लाइब्रेरी, ऑफिस डॉक्यूमेंट्स, रुसा फाइल्स आदि का निरीक्षण किया। महाविद्यालय के भौतिक संसाधनों के सत्यापन में सोलर पैनल, स्पोर्ट्स, फैसिलिटीज, स्मार्ट कक्ष, स्किल ट्रेनिंग सेंटर, आदि महाविद्यालय के पिछले समस्त कार्यों की जांच की और सभी में प्रसन्नता व्यक्त की। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजेश बेनीवाल और ज्योत्स्ना के नेतृत्व में वॉलेंटियर्स के साथ इंटरेक्शन में एक्सटेंशन एक्टिविटीज की सराहना की। महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग में डॉ. पूजा आर्या के नेतृत्व में किए जा रहे बेस्ट प्रैक्टिसेज कार्यों को की काफी सराहना की। महाविद्यालय शैक्षणिक एवम् अशैक्षणिक स्टाफ के साथ एग्जिट मीटिंग में इंटरेक्शन में आगे के लिए सुझाव दिए और अपनी रिपोर्ट बंद लिफाफे में प्राचार्य प्रो. नरेश कुमार मीना को दी। निरीक्षण में प्रो. रश्मि वशिष्ठ, प्रो. अंजू अग्रवाल, आईक्यूंएसी प्रभारी डॉ. पुनर्दत्त मीना, नेक प्रभारी डॉ. पुष्पा अग्रवाल, राजेश वर्मा, सत्यनारायण गुप्ता, प्रकाश चंद्र डबास, हेमराज पलसानिया, रविंद्र सिंह एवं समस्त कार्मिक उपस्थित रहें।

मेरे जुनून का नतीज़ा एक दिन ज़रुर निकलेगा, इसी अज्ञात स्याह समुंद्र से सामाजिक समरसता रुपी ज्ञान का नूर निकलेगा : 'मरहूम हाजी सरदार खान चौहान'

मरहूम हाजी सरदार खान चौहान की चौथी बरसी पर चाहने वालों ने खिराज ए अकीदत पेश कर करी दुआएं मगफिरत

वृक्षारोपण, गायों को गुड व चारा एवं इंदिरा रसोई में आवशयक जनों को भोजन सहित अनेक परोपकारी कार्यक्रमों दिया गया अंजाम : जमील खान चौहान

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर!(खलील कुरैशी) जयपुर ग्रामीण के कस्बें मनोहरपुर निवासी और हिंदू मुस्लिम एकता के मजबूत प्रहरी वरिष्ठ समाजसेवी रहें मरहूम हाजी सरदार खान चौहान की चौथी बरसी पर उनके परिजनों और चाहने वालों ने खिराज ए अकीदत पेश कर उनकी मगफिरत के लिए दुआएं की इसके साथ ही उनके परिजनों ओर से कस्बे स्थित इंदिरा रसोई में 300 लोगों को निशुल्क भोजन कराया गया वहीं भूतनाथ वाटिका स्थित गौशाला में गायों को चा-रा व गुड़ खिलाया गया। इसके साथ ही वृक्षारोपण जैसे अनेक जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को भी अंजाम दिया गया इस बारें में विस्तार से परिचर्चा करते हुए जामा मस्जिद के सदर जमील खान चौहान, मरहूम हाजी सरदार बशीर खान वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष इमरान खान ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि मरहूम हाजी सरदार खान चौहान की चौथीं बरसीं के मौके पर हर वर्ष इसाले ए सबाब की नियत से दान पुण्य का कार्य किया जाता है। जिसके तहत बुधवार को भी विभिन्न परोपकारी समाजसेवी कार्यक्रमों को अंजाम दिया गया गौरतलब है कि मरहूम हाजी सरदार खान चौहान कौमी एकता की मिसाल के रूप में जाने पहचाने जाते थे। वे हमेशा अपने जीवन में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं लोककल्याण कामों प्राथमिकता देते रहे हैं तथा जरूरतमंदों लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहते थे। जिसकी आज तक मिसालें दी जाती हैं उन्होंने मनोहरपुर के सर्वहारा वर्ग चहुंमुखी विकास, उन्नति में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया था जिसे हमेशा हमेशा याद किया जाएगा इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी और भाजपा नेता संतोष माधानी, मनोहरपुर पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रजापत,भाजपा एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष बी. एस.भाजपा मंडल मनोहरपुर के अध्यक्ष रामप्रकाश नाई, मंडल महामंत्री प्रहलाद गुर्जर, शिवराम गुर्जर, पार्षद सरफराज खान, सरदार खान सारवान, बुंदु खां, मुन्ना माइकल, रमेश गोयल,महिपाल गुर्जर, मनीष आत्रेय, नसरू खान, सद्दाम खान, मोहसिम खान सिद्धार्थ गुर्जर,सहित बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर इन जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से डेयरी एवं पशुपालन मंत्री कुमावत ने मुलाकात की

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 27 नवंबर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से बुधवार को राजभवन में राज्य के डेयरी एवं पशुपालन विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने उनसे डेयरी एवं पशुपालन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।राज्यपाल से कुमावत की यह शिष्टाचार भेंट थी।

झारखंड में सुरक्षाबलों को निशाना बनाने की नक्सलियों की साजिश नाकाम

● जमीन के नीचे छिपाए पांच केन बम बरामद

रांची/एजेंसी। झारखंड के गुमला जिले में सुरक्षा बलों और पुलिस को निशाना बनाने की नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम कर दी गई है। पुलिस ने हरिणाखांड़ जंगल के रास्ते में जमीन के नीचे लगाए गए पांच केन बम बरामद किए हैं। सभी बम दो-दो किलोग्राम की क्षमता वाले थे।

बताया गया कि गुमला जिले के पुलिस कप्तान को गुप्त सूचना मिली थी कि नक्सलियों ने जंगलवर्ती इलाके में सुरक्षाबलों के गश्त के दौरान उन्हें विस्फोट के जरिए उड़ाने की योजना बनाई है। इस सूचना के आधार पर पुलिस और एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) ने सतर्कता के साथ सर्च ऑपरेशन चलाकर जमीन के नीचे लगाए गए पांच बम बरामद किए। इन्हें झारखंड जगुआर बटालियन के बम डिस्पोजल एंड डिफ्यूजिंग स्क्वॉड ने बुधवार को सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। इसके पहले, लातेहार जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान में पुलिस को मंगलवार को तब एक बड़ी सफलता मिली, जब एक मुठभेड़ के बाद हथियारों का जखीरा बरामद किया गया। लातेहार के एसपी कुमार गौरव ने बताया कि जंगल में नक्सलियों के जमावड़े की सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो जंगल में छिपे नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी मोर्चा लेकर फायरिंग की तो नक्सली भाग खड़े हुए।

इसके बाद सर्च ऑपरेशन के दौरान एक अमेरिकन राइफल, दो अन्य बंदूकें, 96 कारतूस, नक्सलियों की वर्दी, पर्चा सहित कई अन्य सामान बरामद किए गए। इसके बाद दो नक्सलियों बन्दुआ हेरहंज निवासी अजय गंझू और मनिका निवासी उपेन्द्र यादव को गिरफ्तार किया गया। एसपी ने कहा कि पुलिस की जवाबी फायरिंग में कुछ नक्सलियों को गोली लगने की सूचना है।

कैलाश गहलोत ने दिल्ली विधानसभा की सदस्यता से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत ने बुधवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल को भेजा है। उन्होंने पत्र में लिखा कि आम आदमी पार्टी (आप) अपने नैतिक मूल्यों से भटक गई थी और उसके साथ अब आगे बढ़ना काफी मुश्किल हो गया था।

दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत ने अपने पत्र में एक बार फिर आम आदमी पार्टी (आप) पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस दिन मैंने मंत्री पद छोड़ा, उसी दिन मैंने आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया था। कैलाश गहलोत ने यह भी बताया कि उन्होंने पार्टी और मंत्री पद छोड़ने से जुड़ा एक पत्र आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को भेज दिया था।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गए पत्र में कैलाश गहलोत ने लिखा, जैसा कि आप जानते होंगे कि मैंने 17 नवंबर को जीएनसीटीडी मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। उसी दिन मैंने आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया था। इस निर्णय के लिए मेरे अधिकांश कारण 17 नवंबर के पत्र में साझा किए गए हैं, जो मैंने अरविंद केजरीवाल को भेजा था और वही इसके साथ संलग्न है।

कैलाश गहलोत ने पत्र में आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा, मुख्य कारण यह था कि आप ने अपने नैतिक मूल्यों से भटकना शुरू कर दिया था, जिससे मेरे लिए पार्टी में रहना मुश्किल हो गया था। मैं अब दिल्ली विधानसभा से अपना इस्तीफा देता हूं। इसे तत्काल प्रभाव से स्वीकार किया जा सकता है।

सामाजिक समरसता के प्रतिक अज़मेर की विश्व प्रसिद्ध दरगाह ख्वाजा साहब में शिव मंदिर होने का दावा वाली याचिका मंजूर

सिविल कोर्ट ने मामले को सुनने योग्य माना, दरगाह कमेटी समेत 3 पक्षकारों को नोटिस जारी

चमकता राजस्थान

जयपुर/अजमेर !(खलील कुरैशी) !अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका अजमेर सिविल कोर्ट ने स्वीकार - कर ली। बुधवार को अदालत ने इसे सुनने योग्य माना है। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से याचिका लगाई गई है। सिविल कोर्ट ने अल्पसंख्यक मंत्रालय, दरगाह कमेटी अजमेर और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) को नोटिस भेजा है। मामले में अगली सुनवाई 20 दिसंबर को होगी।याचिका में रिटायर्ड जज हरविलास शारदा की 1911 में लिखी किताब अजमेर- हिस्टॉरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव का हवाला देते हुए दरगाह के निर्माण में मंदिर का मलबा होने का दावा किया गया है। साथ ही गर्भगृह और परिसर में एक जैन मंदिर होने की बात कही गई है।इन डॉक्यूमेंट्स के आधार पर किया दावाः रिटायर्ड जज हरविलास शारदा की 1911 में लिखी किताब दिल्ली के एडवोकेट ने 38 पेज की याचिका दाखिल की दिल्ली के एडवोकेट रामस्वरूप बिश्नोई ने बताया कि कोर्ट में 38 पेज की याचिका दाखिल की गई है। इसमें कहा गया है कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर है। दरगाह की बनावट और शिव मंदिर के प्रमाण हिस्टॉरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव का हवाला दिया गया है। इस किताब में जज ने मौजूदा इमारत में 75 फीट ऊंचे बुलंद दरवाजे के निर्माण में मंदिर के मलबे के अंश बताए थे। इसमें एक तहखाना या गर्भगृह है, जिसमें शिवलिंग बताया गया था। किताब के अनुसार यहां ब्राह्मण परिवार पूजा- अर्चना करता था। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने बताया कि आप अजमेर दरगाह के आसपास घूमेंगे तो देखेंगे कि बुलंद दरवाजे पर हिन्दू परंपरा की नक्काशी की गई है। वहीं, जहां शिव मंदिर होता है, वहां झरना, पेड़ आदि जरूर होते हैं। पानी वहां जरूर होता है। ऐसे में पुरातत्व विभाग से भी अपील की है कि वे यहां जांच करें।

सिन्धी समाज के लिए राज्य सरकार का तोहफा सिन्धु दर्शन यात्रा के लिए मिलेगी 15 हजार रूपए की आर्थिक सहायता

● विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया था मुख्यमंत्री से आग्रह

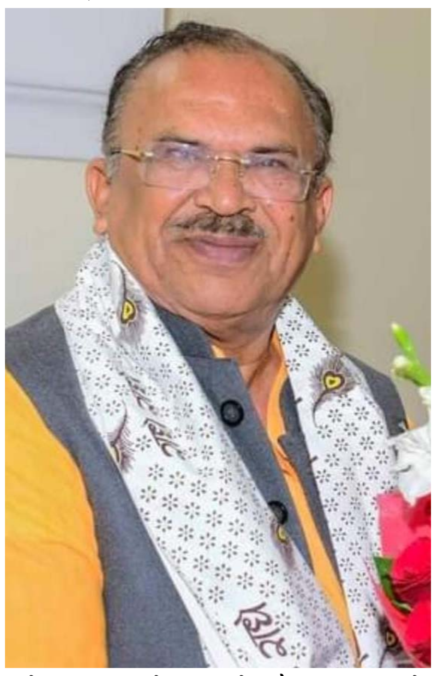

चमकता राजस्थान।जयपुर!(खलील कुरैशी) 27 नवम्बर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के आग्रह पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सिन्धी समाज को बड़ा तोहफा दिया है। राज्य सरकार ने सिन्धी समाज की सबसे बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली लेह-लद्दाख सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को 15 हजार रूपए प्रति व्यक्ति आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सिन्धु दर्शन यात्रा में चार दिन तक लोह-लद्दाख में धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन होते हैं तथा यह यात्रा 18 जून से शुरू होकर 30 जून को समाप्त होती है।सिन्धी समाज के तीर्थयात्री हर साल 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा 18 जून से जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है तथा 30 जून को इसका अधिकारिक समापन होता है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा से आग्रह किया था कि सिन्धु दर्शन तीर्थ यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को भी अन्य तीर्थ यात्राओं की तरह आर्थिक सहायता दी जाए। इस पर निर्णय करते हुए राज्य सरकार ने तीर्थ यात्रियों के लिए 15 हजार रूपए प्रति यात्री की आर्थिक सहायता की घोषणा की है।गौरतलब है कि वर्ष 1997 में भारत रत्न एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लाल कृष्ण आडवाणी ने सिन्धु दर्शन यात्रा की शुरूआत की थी। प्रतिवर्ष यह यात्रा 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में आयोजित की जाती है। इसमें बड़ी संख्या में सिंधी धर्मावलम्बी भाग लेते हैं। वेद, शास्त्र एवं धार्मिक मान्यताओं में सिन्धु नदी का बड़ा महत्व है। लगभग सभी ग्रन्थों में सिन्धु नदी का उल्लेख मिलता है। इसके साथ ही भारतीय राष्ट्रगान में भी सिन्धु नदी का उल्लेख है। सिन्धी समाज में भी ईष्ट देव श्री झूलेलाल जी के अवतार का जल से संबंध है। ऐसे में यह यात्रा सिन्धी धर्मावलम्बियों के लिए बड़ी पवित्र मानी जाती है। प्रतिवर्ष देश के लगभग 25 राज्यों से सिन्धी धर्मावलम्बी इस पवित्र यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है एवं लगभग 12 दिन चलती है। यात्रा में लेह-लद्दाख में विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होते हैं।

डमी छात्र से परीक्षा पास कर फर्जी सर्टिफिकेट से नौकरी

प्रदेश में रुक नहीं रहा सरकारी नौकरीयों में फर्जीवाड़ा

एसओजी ने एक लेक्चरर समेत तीन पीटीआई को गिरफ्तार किया

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) प्रदेश में फर्जी तरीके से सरकारी नौकरियां पाने का फर्जीवाड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है। भर्ती पर-ीक्षा की गड़बड़ी की जांच में जुटी एसओजी ने इस कड़ी में एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसओजी ने बुधवार को एसओजी ने डमी कैंडिडेट बैठाकर पर-ीक्षा पास करने के मामले में एक लेक्चरर और तीन शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) को गिरफ्तार किया है। चारों के खिलाफ एसओजी को वॉट्सऐप हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत मिली इसके बाद इन पर नजर रखते हुए इनके डॉक्युमेंट्स खंगाले तो फर्जीवाड़ा निकला। जांच में फर्जी तरीके से पीटीआई बनने वाले 3 आरोपियों की बैचलर ऑफ एजुकेशन (बीपीएड) की डिग्री भी फर्जी निकली। इसके बाद बाड़मेर और सांचौर की अलग-अलग लोकेशन से इन चारों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर 7 दिन की रिमांड पर लिया गया है। मामला राजस्थान लोक सेवा आयोग की वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) ग्र-ेड सेकेंड-2022 और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की शारीरिक शिक्षक सीधी भर्ती-2022 का है। एडीजी एसओजी वीके सिंह ने बताया कि, एग्जाम में फर्जीवाड़े से पास होने के मामले में राजीव नगर (सांचौर) निवासी राजेंद्र बिश्नोई को गिरफ्तार किया है। वर्तमान में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अरणाय(जालोर) में जीव विज्ञान (जूलॉजी) का लेक्चरर है।गुडामालानी (बाड़मेर) निवासी स्वरूपा राम को गिरफ्तार किया है। वह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, जाखड़ोंकी ढाणी, धोरीमन्ना (बाड़मेर) में पीटीआई है। सांचौर के गांव धानता निवासी भारमल राम और दांतीवास, भीनमाल (जालोर) निवासी लादूराम को गिरफ्तार किया। भारमलगवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुडा (सांचौर) और लादूराम राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, वनानी भीलों, गुडामालानी (बाड़मेर) में पीटीआई के पद पर कार्यरत है एसओजी के अनुसार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित शारीरिक शिक्षक सीधी भर्ती-2022 की परीक्षा में धांधली को लेकर स्वरूपा राम, भारमल और लादूराम के खिलाफ शिकायत मिली थी। इसमें बताया गया था कि ये लोग गलत चीजों का इस्तेमाल कर परीक्षा में पास हुए और नौकरी ली है।

ई है मुम्बई नगरिया...

मुंबई, जिसे पहले बॉम्बे के नाम से जाना जाता था, महाराष्ट्र के सबसे अधिक आबादी वाले और सबसे बड़े शहरों में से एक है। इस राज्य का सबसे बड़ा महानगर, मुंबई मनोरंजन और वित्तीय राजधानी के रूप में भी लोकप्रिय है। यह भारत का सबसे बड़ा शहर है और इसे सपनों का शहर भी कहा जाता है। यह सपने देखने वालों और अपने सपनों को हासिल करने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करने वाले लोगों से भरा हुआ है। संघर्षरत अभिनेताओं, मजदूरों, बॉलीवुड सितारों से लेकर गैंगस्टर तक, मुंबई में बहुत कुछ है। बहुत कुछ है जिसके बारे में लिखा और बात की जा सकती है! मुंबई सबसे बड़े स्लम एरिया में से एक है और साथ ही सबसे अमीर लोगों का घर भी है और इसलिए मुंबई को सभी के लिए एक शहर के रूप में वर्णित करना उचित है। पर्यटन के लिहाज से देखें तो महाराष्ट्र भारत का एक समृद्ध राज्य रहा है। इसे 'गेटवे ऑफ द हार्ट ऑफ इंडिया' भी कहा जाता है। देश के दूसरे राज्यों की तुलना में यह बहुत बड़ा है। एक तरफ पहाड़ इस राज्य की खूबसूरती बढ़ाते हैं तो दूसरी ओर समुद्र तट लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। प्राचीन किलों, महलों, गुफाओं, मंदिरों और कई प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के मामले में महाराष्ट्र समृद्ध रहा है। मुंबई में कई पर्यटन स्थल है जहां पर्यटकों की हमेशा भीड़ उमड़ी रही है। मुंबई शहर के अधिकतर हिस्से में आप लोगों की भीड़ से नहीं बच सकेंगे। लेकिन अगर आप छुट्टी लेकर मुंबई में अच्छी जगह घूमना चाहते हैं तो मुंबई के इन प्रमुख स्थानों पर घूम सकते हैं। मुंबई के ये शानदार पर्यटक स्थल सबसे ज्यादा ट्रैवलर्स को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। मुंबई में रहने वाले लोगों के लिए भले ही ये आम जगह हैं लेकिन नए लोगों के लिए मुंबई घूमने के सबसे अच्छे स्थान है।

सपनों की नगरी-मुंबई

कहा जाता है। बॉलीवुड और गेटवे ऑफ इंडिया के अलावा मुंबई कई पर्यटन स्थलों के लिए जाना जाता है। सिद्धिविनायक मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर, हाजी अली दरगाह, मरीन ड्राइव से लेकर यहां घूमने लायक कई टूरिस्ट स्पॉट हैं। अरब सागर के किनारे स्थित मुंबई में समंदर किनारे आप लहरों का मजा ले सकते हैं। मरीन ड्राइव घूमने की एक ऐसी जगह है, जहां पानी में अपने पैर लटकाकर बैठना सुकून देता है। वहीं बांद्रा में कई बॉलीवुड सितारों का घर है। खाने-पीने के शौकीनों के लिए तो यहां के स्थानीय स्ट्रीट फूड का स्वाद लेना मजेदार होगा। वडा पाव, पाव भाजी, दही पुरी, पानी पुरी और काला खट्टा जैसी चीजें आपको अपना मुरीद बना लेंगी।

संजय गांधी नेशनल पार्क

संजय गांधी नेशनल पार्क मुंबई शहर में स्थित एक महत्वपूर्ण वन्यजीव उद्यान है. यह पार्क संजय गांधी की याद में स्थापित किया गया था और इसका उद्घाटन 1996 में हुआ था. यह उद्यान भारतीय वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण स्थल है और यहां पर विभिन्न प्रजातियों के जीवों की संरक्षण की जाती है. संजय गांधी नेशनल पार्क क्षेत्र में कई प्रकार के पौधों, पशुओं, पक्षियों और पशु-पक्षियों की विविधता पाई जाती है. घूमने के लिए यह जगह सबसे अच्छी है.

गेटवे ऑफ इंडिया

मुंबई में स्थित गेटवे ऑफ इंडिया एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है. यह एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्मारक है जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय की यादों को जिन्दा रखने के लिए बनाया गया है. यह समुंद्र किनारे पर स्थित है. इसे 20वीं सदी में ब्रिटिश शासकों के समय में बनाया गया था. गेटवे ऑफ इंडिया को रात्रि में प्रकाशित किया जाता है और यह खासतर सूर्यास्त के समय बहुत खूबसूरत दिखता है. यहां आप घूमने जा सकते हैं.

जुहू

जुहू भारत के एक प्रमुख शहरी क्षेत्र और एक प्रमुख पर्यटन स्थल है. यह पश्चिमी मुंबई के निकट समुंद्र किनारे पर स्थित है और यहां के बीच में लगभग 6 किलोमीटर लंबी जुहू बीच भी स्थित है, जहां दूर-दूर से लोग आते हैं. बता दें जुहू बीच मुंबई के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है. यहाँ की सुंदर समुंद्र तट, समुंद्री हवा और वातावरण लोगों को आकर्षित करता है.मुंबई में फैमिली के साथ घूमने के लिए यह बेस्ट जगह है.

मरीन ड्राइव

मरीन ड्राइव मुंबई में 1920 में निर्मित हुआ था. यह अरब सागर के किनारे नरीमन प्वाइंट पर सोसाइटी लाइब्रेरी और मुंबई राज्य सेंट्रल लाइब्रेरी से लेकर चौपाटी से होते हुए मालाबार हिल तक के क्षेत्र में है. मरीन ड्राइव के शानदार घुमाव पर लगी स्ट्रीट-लाइटें रात्रि के समय इस प्रकार जगमाती हैं कि इसे क्वीन्स नैकलेस का नाम दिया गया है. रात्रि के समय ऊंचे भवनों से देखने पर मरीन ड्राइव बहुत बेहतरीन दिखाई देता है. यह जगह घूमने के लिए बेस्ट है.

हाजी अली दरगाह

हाजी अली दरगाह मुंबई में स्थित एक प्रमुख धार्मिक स्थल है. यह इस्लामी धर्म का महत्वपूर्ण मान्यता प्राप्त धार्मिक स्थल है जिसमें सूफी संत हाजी अली की दरगाह स्थित है. यह धार्मिक स्थल समुंदर किनारे पर स्थित होता है और लोगों के बीच में एक प्रमुख मान्यता और पर्यटन स्थल है. बता दें हाजी अली दरगाह का नाम सूफी संत हाजी अली से जुड़ा है. हाजी अली दरगाह पर विशेष धार्मिक उत्सव और मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग भाग लेते हैं.

मुंबई चौपाटी

यह छोटा सा बीच किसी के लिए किताबे पढ़ने की जगह नहीं हो सकता लेकिन इस बीच पर खाना खाने या सॉफ्ट ड्रिंक पीकर अच्छा समय जरूर गुजारा जा सकता है। यह समुद्र तट भेलपूरी, सेवपूरी और स्थानीय आइस कैंडी जिन्हे 'गोला' कहा जाता है के लिए लोकप्रिय है। मुंबई चौपाटी एक छोटा सा समुद्र तट है जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच छुट्टी बिताने के लिए प्रचलित है। अगर आपको आती हुई लहरों और फिर वापस जाती हुई लहरों का शोर पसंद है तो यह जगह आपके लिए। किसी भी पर्यटक को मुंबई की सैर के समय इस जगह को अपनी सूची में जरूर शामिल करना चाहिए।

छत्रपति शिवाजी टर्मिनस रेलवे स्टेशन

हर शहर का कोई न कोई आइकन होता है मुंबई का आइकन सीएसटी स्टेशन है जो मुंबई बंदरगाह के दक्षिण में स्थित है, पहले इसे विक्टोरिया टर्मिनस कहा जाता था। इसका मौजूदा नाम 1996 में महाराष्ट्र के वीर राजा 'शिवाजी' के नाम पर पड़ा। यह शहर में दाखिल होने का दरवाजा है (बाहर से आने वाली अधिकतर ट्रेनों के लिए अंतिम स्टेशन) गोथिक स्टाइल में बने इस रेलवे स्टेशन को अधिकतर बॉलीवुड फिल्मों में दिखाया गया है। इसके 18 प्लेटफॉर्म पर फूड स्टॉल और मैगजीन के स्टैंड्स बिखरे पड़े हैं।

जॉगर्स पार्क

बान्द्रा मुंबई का एक उपनगरीय इलाका है और समुद्र किनारे बना जॉगर्स पार्क इसके दिल की धड़कन है। जॉगर्स पार्क में ही देश के पहले लॉफिंग क्लब की शुरुआत हुई थी। यहां के पुराने लोग अभी भी गप्पे लड़ाने यहां आते हैं। यह जगह बॉलीवुड की प्रमुख फिल्मों का शूटिंग स्थल भी रहा है। इसके बगल में कार्टर रोड पर आपको कई लोकप्रिय चेहरे दिख सकते हैं।

मरीन ड्राइव

मुंबई में ऐसी कुछ जगहें ही है जहां से मुंबई के शानदार तट दिखाई देते हैं ऐसा नजारा मरीन ड्राइव से भी दिखाई देता है। चर्चगेट स्टेशन से केवल 500 मीटर की दूरी पर स्थित यह तट मुंबई के समुद्र का दक्षिणी क्षेत्र है। इसकी तट रेखा एक मेहराब की तरह बनी है जो स्ट्रीट लाइन का आधा गोला बनाती हुई दिखती है। स्थानीय लोग इसे क्वींस नेकलेस भी कहते हैं। इस जगह पर सभी तरह के लोग नियमित रुप से आते हैं। यहां जॉगर्स, कपल, ऑफिस जाने वाले लोग जो समुद्र किनारे कुछ समय बिताना चाहते हैं सभी आते हैं। आप यहां ठोस जमीन पर बैठ सकते हैं जहां से आपको किनारे से टकराती लहरें दिखेंगी।

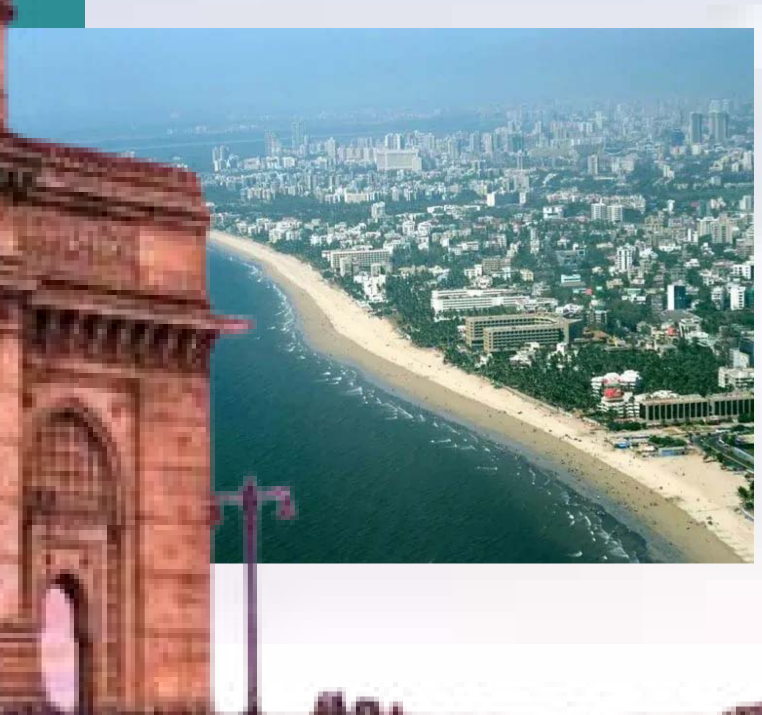

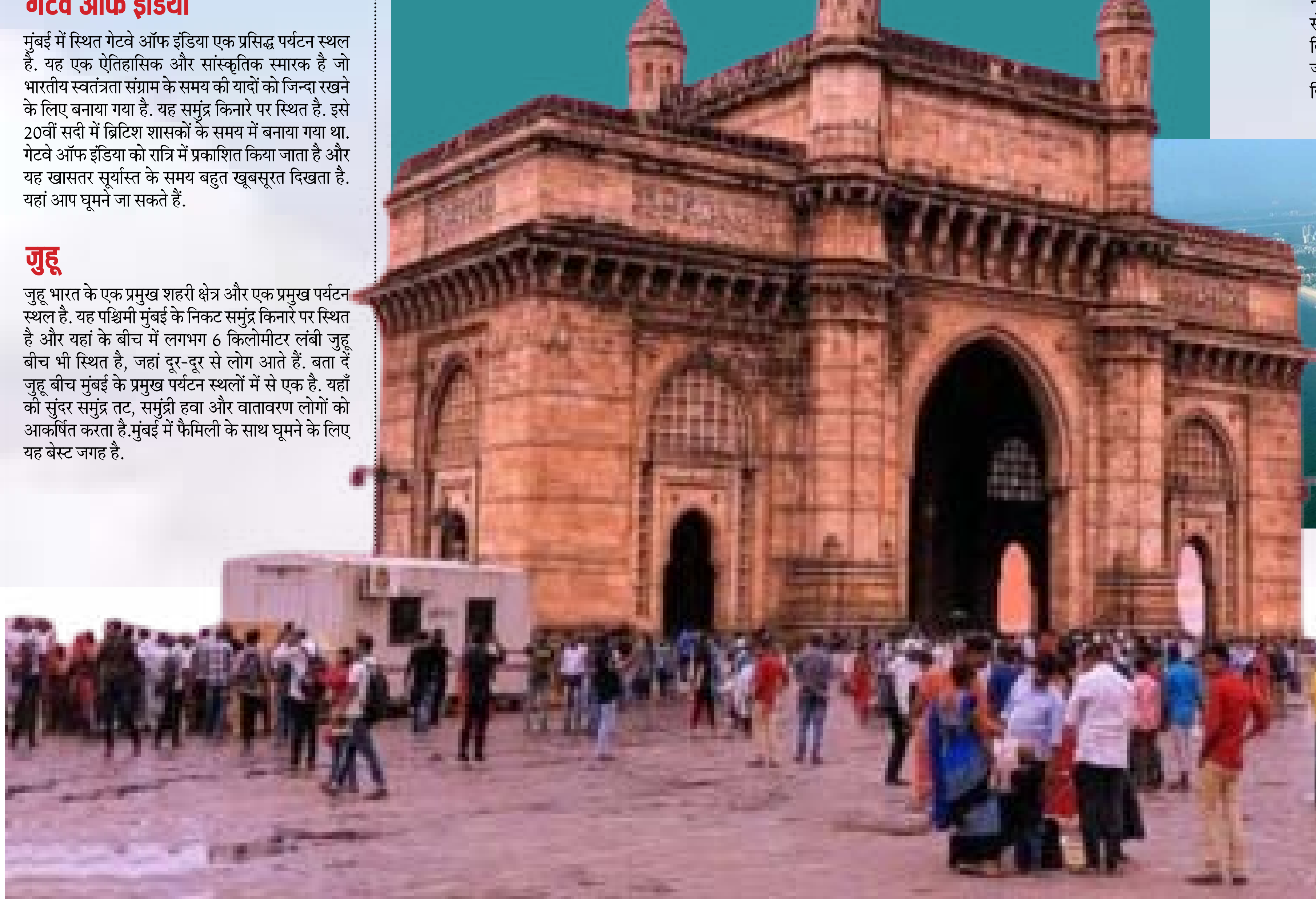

संक्षिप्त समाचार

बारां जिले में डीएसटी व थाना सदर पुलिस की कार्रवाई

- शराब ठेके के सेल्समैन की हत्या के प्रयास के मामले मे फरार 04 आरोपी गिरफ्तार, 8 महीनों से थे वांछित

चमकता राजस्थान। जयपुर/बारां (खलील कुरैशी) 27 नवम्बर। जिले की सदर थाना पुलिस टीम ने साईबर सैल बा-रां व डीएसटी टीम की मदद से कोटा रोड स्थित शराब ठेके के बाहर सेल्समेन के साथ गम्भीर मारपीट कर हत्या का प्रयास करने के मामले में 08 महीनों से फरार आरोपी शिव भरत मीणा पुत्र रामकिशन निवासी बरुखेडी थाना बपावरकलां जिला कोटा ग्रामीण, राजेन्द्र मीणा पुत्र रामचन्द्र (28) निवासी हनुवतखेडा थाना अन्ता, हरिप्रकाश मीणा पुत्र रामकरण (32) निवासी मूण्डला थाना मांगरोल एवं सुनिल मीणा पुत्र प्रभूलाल (32) निवासी बटावदा थाना सदर बारां को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि दिनांक 05 अप्रैल को कोटा रोड स्थित शराब ठेके के सेल्समैन रामहेत मीणा निवासी माथना ने हॉस्पिटल में पर्चा बयान दिया कि कल रात ठेका बंद कर जा रहा था। उसी समय ठेके पर नशे में आये शिव भरत मीणा को शराब की बोतल देने से मना करने पर उसने गाली गलौज शुरू कर दी। गाली देने से मना किया तो उसने जान लेवा हमला कर दिया। किसी तरह में अपनी जान बचाकर वहां से भागा तो उसे दुबारा गोयल अस्पताल की गली के सामने कोटा रोड बाइक से पीछा करते हुये आये शिवभरत, गोरव मीणा, हरिप्रकाश मीणा, राजेन्द्र मीणा उर्फ राजा व सुनील मीणा ने रोक लिया। इन सभी ने मिलकर जान से मारने की नीयत से गंभीर चोटे पहुंचाई। इस पर थाना कोतवाली पर मुकदमा दर्ज हुआ। जिसमें कोतवाली पुलिस द्वारा एक आरोपी गौरव मीना को गिरफ्तार कर लिया था।एसपी चौधरी ने बताया कि अन्य शातिर बदमाश लगातार गिरफ्तारी से बचे हुये थे। मामले को गंभीरता से लेते हुये अनुसंधान एसएचओ सदर हीरा लाल को सुपुर्द किया। उक्त चारो फरार आरोपियों को थाना सदर टीम ने साईबर सेल व डीएसटी टीम की मदद से गिरफ्तार कर लिया। जिनसे घटना में प्रयुक्त हथियार कुटिया व सरिया व दो बाइक जप्त की गई है। गिरफ्तार आरोपी रविकान्त मीणा शातिर बदमाश है, जिसके विरुद्ध मारपीट व हत्या के प्रयास के 08 प्रकरण पंजीबद्व है। आरोपी रविकान्त मूलतः बपावरकलां थाना क्षेत्र का रहने वाला है किन्तु इसका आपराधिक क्षेत्र बारां रहा है।

भागीरथ सिंह मीणा ने करी सार्थक पहल अपने सुपुत्र की दहेज मुक्त शादी

चमकता राजस्थान । कोटपूतली-बहरोड (धर्मेंद्र बंसल) दहेज भारत के विभिन्न हिस्सों में फैली एक पुरानी प्रथा एवं बीमारी है, और आज भी प्रचलित है। यह शादी होने पर दो परिवारों के बीच पैसे या उपहार का आदान-प्रदान प्रदान है। लोग दहेज को लेना- देना अपना स्टेटस पॉइंट समझते हैं।इसके ठीक विपरीत कोटपूतली निवासी भागीरथ सिंह मीणा अउइएड प्रथम ने अपने स्वयं के सुपुत्र चि. पवन कुमार मीणा की दहेज मुक्त शादी करके समाज में एक मिसाल पेश की है।गौरतलब है कि चि. पवन कुमार मीणा दिल्ली में सरकारी विभाग में टीजीटी अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। जिनका विवाह रविवार, 24 नवंबर को आयु. बीना सुपुत्री जगदीश मीणा, निवासी सुंदलक (बारां) के साथ संपन्न हुआ। दूसरी ओर भागीरथ सिंह मीणा जो स्वयं भी शिक्षा विभाग राजस्थान के कोटपूतली शहर में अति. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उनके बच्चे की शादी पर शहर के सभी प्रतिष्ठित एवं समाज के व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करने के साथ ही इस तरह की दहेज मुक्ति शादी की प्रशंसा की और मीणा को बधाई दी। जिनके कारण प्रत्येक समाज में भी इस तरह अर्थात दहेज मुक्ति शादी होने का चलन बढ़ेगा।

जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ के मार्गदर्शन में पुलिस थाना चौमू ने वाहन चोरों के खिलाफ करी बड़ी कार्यवाही

15 मोटरसाइकिलों सहित 32 एलाय व्हील रीम, 32 टायर व अन्य कलपुर्जों को किया गया जप्त

चमकता राजस्थान

शातिर वाहन चोरों को किया गया गिरफ़्तार

मुल्जिम के कब्जे से 15 मोटरसाइकिलों को किया गया जप्त

मुल्जिम के कब्जे से मास्टर चाबी, टायर खोलने के काम आने वाले उपकरण किये गये बरामद

जयपुर (खलील कुरैशी) पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसेफ एवं अति० पुलिस आयुक्त (प्रथम) कुंवर राष्ट्रदीप द्वारा जयपुर शहर में हो रही वाहन चोरी की वारदातों की रोकथाम करने तथा अपराधियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्यवाही करने हेतु मन पुलिस उपायुक्त जयपुरपश्चिम अमित कुमार के निर्देशन एवं अति० पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम आलोक सिंघल एवं सहायक पुलिस आयुक्त चौमू अशोक चौहान के सुपरविजन एवं प्रदीप कुमार शर्मा पु०नि० थानाधिकारी पुलिस थाना चौमूं जयपुर पश्चिम के नेतृत्व में चौमू थाना क्षेत्र में एक विशेष टीम गठित की गई।गठित पुलिस टीम द्वारा चौमूं थाना क्षेत्र में वाहन चोरी के हॉट स्पॉट को चिन्हित कर उनके घटनास्थलों का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज चैक किये गये तथा संदिग्धों के फुटेज प्राप्त किये गये। प्राप्त हुलिये के संदिग्धों की तलाश प्रारम्भ की गयी तथा अपराधियों के वाहन चोरी करने के दौरान आने व जाने के रूट को चिन्हित किया गया। दौराने तलाश मुखबीर खास की आसूचना पर टीम द्वारा आरोपी अजय शर्मा पुत्र सुरेश शर्मा उम्र 24 साल निवासी ग्वालों की ढाणी भोमियाजी के पास कालाडेरा पुलिस थाना कालाडेरा जयपुर ग्रामीण को दस्तयाब कर पुछताछ की गयी तो आरोपी अजय शर्मा ने पुलिस थाना चौमूं, गोविन्दगढ, रींगस सीकर व अन्य थाना क्षेत्रों से करीब 2 दर्जन मोटरसाइकिल चोरी की वारदात करना स्वीकार किया है। मुल्जिम अजय शर्मा के निशादेही से चोरी की 15 मोटरसाइकिलों, 32 एलॉय व्हील रीम व 32 टायरों व अन्य कलपुर्जों को तथा मोटरसाइकिलों के पार्टस खोलने के उपकरण व मास्टर चाबीयों को जब्त किया गया है तथा आरोपी को प्रकरण संख्या धारा 303 (2) बीएनएस में गिरफतार किया जाकर आरोपी से अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

- **टीम द्वारा किये गये प्रयासः टीम द्वारा वाहन चोरी के हॉट स्पॉट को चिन्हित**

कर घटनास्थलों से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चिन्हित स्थानों पर निगरानी प्रारम्भ की गई तथा मुखबीर खास मामुर किये गये तथा वाहन चोरी के दौरान इस्तेमाल आने व जाने के रूट को चिन्हित किया गया। प्रदीप कुमार शर्मा पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना चौमू ने वाहन चोर के वाहन चोरी करने के तरीके का गहनता सेविश्लेषण किया तो लगभग सभी चोरियों में एक समानता पायी गई कि वाहन चोर केवल एलॉय व्हील वाली मोटरसाइकिलों को ही चोरी करता है तथा चोरी के वाहन को चोरी करने के बाद सुनसान जगह पर खड़ा कर उनके एलॉय व्हील निकालकर ले जाता है। जिस पर थानाधिकारी चौमूं ने कस्बा चौमूं की मैकेनिक एसोसियेशन के पदाधिकारियों व सभी मैकेनिकों की मिटींग लेकर इस संबंध में सभी को ब्रीफ किया। उक्त सभी प्रयासों के कुछ समय बाद ही उक्त आरोपी अजय शर्माको गिरफतार कर वारदातों का खुलासा करने में सफलता प्राप्त की है।

- *** गिरफ़्तार मुल्जिम का नाम पताः-**

(1).अजय शर्मा पुत्र सुरेश शर्मा उम्र 24 साल निवासी ग्वालों की ढाणी भोमियाजी के पास कालाडेरा पुलिस थाना कालाडेरा जयपुर ग्रामीण (2). मनोहर कुरेशी पुत्र कमरूदीन कुरेशी जाति कुरेशी मुसलमान उम्र 40 साल निवासी कसाईयों का मोहल्ला चौमू पुलिस थाना चौमू जयपुर

- **पुलिस टीम का विवरण**

(1). प्रदीप कुमार शर्मा पु.नि. थानाधिकारी चौमूं जयपुर पश्चिम,(2).पवन कुमार हैड कानि. 599 पुलिस थाना चौमूं जयपुर पश्चिम, (3). ख्यालीराम हैड कानि. 2036 पुलिस थाना चौमूं जयपुर पश्चिम,(4). रिछपाल हैड कानि.1135 पुलिस थाना चौमू जयपुर पश्चिम,(5). प्रहलाद हैड कानि. 788 पुलिस थाना चौमू जयपुर पश्चिम सहित पुलिस थाना चौमूं की टीम

सांगोद में कृषि मेला सम्पन्न

चमकता राजस्थान

- **कृषि से संबंधित लोक हितकारी योजनाएँ, नवीन अनुसंधानों एवं कृषि के नूतन आयाम किसानों एवं हितकारकों तक पहुंच हुई आसान**
- **ऊर्जा मंत्री ने किया नवीन तकनीक अपनाने का आव्हान, किसानों को एक छत के नीचे मिली कृषि एवं संबंधित जानकारियां**

जयपुर !(खलील कुरैशी) 27 नवम्बर। कोटा जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कृषि एवं कृषि से संबंधित विभागों की विभिन्न लोक हितकारी योजनाएँ, नवीन अनुसंधानों तथा कृषि विभाग के नूतन आयामों को किसानों एवं हितकारकों के मध्य लोकप्रिय बनाने हेतु बुधवार को कृषि उपज मण्डी, सांगोद में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के मुख्य आतिथ्य में किसान मेले का आयोजन किया गया। ऊर्जा मंत्री ने उपस्थित कृषकों एवं हितधारकों को अधिक रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने, प्रचलित आधुनिक तकनीक जैसे नेनो यूरिया एवं नेनो डीएपी के उपयोग को बढ़ाने, कृषि विभाग की नवीनतम तकनीक अपनाने के लिए भी प्रेरित किया।ऊर्जा मंत्री ने किसानों का आव्हान किया कि वे अधिक उपज देने वाली किस्मों को बढ़ावा दें एवं जल बचत हेतु फव्वारा सिंचाई विधि व बूंद-बूंद सिंचाई विधि को अपनाएं। साथ ही, जिले की प्रमुख फसलों प्रमुखतया सोयाबीन, लहसुन, चना आदि पर नवीनतम अनुसंधान एवं तकनीक को कृषकों को अधिक से अधिक पहुंचाने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। मंत्री ने आगामी दो वर्षों में कृषकों को दिन के समय छः घन्टे बिजली उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। साथ ही सोलर उर्जा को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने एवं उपयोग करने हेतु निर्देशित किया।संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार रवीन्द्र कुमार जैन ने बताया कि मेले में कृषि, उद्यान, पशुपालन, डेयरी, सहकारिता विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, कृषि विज्ञान केन्द्र, बोरखेड़ा, कोटा, नीबू उत्कृष्टता केन्द्र, नान्ता फार्म, कोटा, राजीविका विभाग, नाबार्ड एवं एलडीएम, कृषि विपणन विभाग, राजस्थान बीज निगम, कोटा, राष्ट्रीय बीज निगम, इफ्को, कृभको, रामशान्ताय जैवी कृषि अनुसंधान केन्द्र, जाखोड़ा, कोटा एवं चम्बल फर्टीलाइज़र एण्ड केमिकल लिमिटिड, गढ़ेपान, कोटा द्वारा विभागीय योजनाओं, कृषि नवाचार एवं संस्थानिक योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही,शरणागति एफपीओ की निदेशक दुर्गेश कुमारी द्वारा ड्रोन के माध्यम से छिडकाव का लाइव प्रदर्शन किया गया। साथ ही, उद्यान विभाग एवं सौर उर्जा निर्माता कम्पनी के संयुक्त तत्वाधान में सोलर उर्जा का लाइव प्रदर्शन किया गया।

- **राजीविका के स्वयं सहायता समूह को मिला 1.34 करोड़ का चेक**

ऊर्जा मंत्री ने राजीविका स्वयं सहायता समूह को सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया आवां से 1 करोड़ का एक स्वयं सहायता समूह को तथा बडोदा राष्ट्रीय क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक देवली से 34 लाख रूपये का 8 स्वयं सहायता समूहों को ऋण वितरण का चेक प्रदान किया गया।

चित्तौड़गढ़ जिले में गंगरार थाना पुलिस की अवैध शराब के खिलाफ बडी कार्रवाई

- **कंटेनर में स्प्रिंग के कार्टुनो की आड में अवैध शराब की तस्करी करते हुए एक व्यक्ति गिरफ्तार**
- **विभिन्न ब्रांड की अवैध शराब के कुल 243 कार्टन व तस्करी में प्रयुक्त कंटेनर जब्त**

चमकता राजस्थान। जयपुर चित्तौड़गढ़!(खलील कुरैशी) 27 नवम्बर। अवैध शराब तस्करी के खिलाफ गंगरार थाना पुलिस ने बडी कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर से स्प्रिंग के कार्टुनो की आड में छुपाकर परिवहन की जा रही विभिन्न ब्राडं की अवैध शराब के कुल 243 कार्टुन जब्त कर कंटेनर चालक डीग जिले में गोपालगढ थाने के जोत रूहल्ला निवासी हलीम खा मेव पुत्र जमशेद खां (20) को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर आरोपी से पूछताछ की जा रही है।एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के तहत एएसपी सरिता सिंह व सीओ गंगरार प्रभुलाल कुमावत के सुपरविजन में एसएचओ गंगरार लक्ष्मणलाल डांगी मय टीम एएसआई शिवलाल, हैड कांस्टेबल प्रमोद कुमार, कांस्टेबल रोहिताश, गणपत, हरभान सिंह, मनोज कुमार व भेरूलाल द्वारा हाईवे रोड पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध कंटेनर को रूकवा तलाशी ली गई। कन्टेनर में स्प्रिग के कार्टुनो की आड में छुपाये हुए अवैध शराब की बोतल व पव्वों के कुल 243 कार्टन मिले। कन्टेनर व शराब के कार्टन जब्त कर पुलिस ने आरोपी चालक हलीम खा मेव को गिरफ्तार कर लिया। एवंआरोपी से शराब की खरीद फरोख्त व परिवहन के संबध में अनुसधान किया जा रहा है।

अधिकारियों ने देखी संविधान दीर्घा

राजस्थान प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों की विधान सभा अध्यक्ष से मुलाकात

चमकता राजस्थान

विनम्र रहे, निष्पक्षता से कार्य करे- विधानसभा देवनानी

जयपुर! (खलील कुरैशी) 27 नवम्बर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा है कि विनम्र रहकर निष्पक्षता से कार्य करें। ईमानदारी से सोच-समझकर कर निर्णय लें ताकि किसी के प्रति अन्याय न हो। युवा संकल्प लेंगे तो राष्ट्र विश्व पटल पर अवशय अग्रणी रहेगा। युवा राष्ट्र के भविष्य की आशा की किरण है। देवनानी से बुधवार को राजस्थान विधान सभा में राजस्थान प्रशासनिक सेवा में नव चयनित 75 प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार मुलाकात की। श्री देवनानी ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को राज्य प्रशासनिक सेवा में चयन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। देवनानी ने कहा कि युवा राष्ट्र का भविष्य है। बहुत मेहनत के बाद राज्य सेवा में चयन होता है। राज्य सेवा प्रतिष्ठित सेवा है। राज्य सेवा के कार्यों को दूरदर्शिता के साथ करें। उन्होंने कहा कि उद्देशयपूर्ण जीवन से ही हम स्वयं के जीवन, परिवार, समाज और राष्ट्र को नई दिशा दे सकते है। युवाओं के जीवन का उद्देशय राष्ट्र के उद्देशय के अनुरूप ही होना चाहिए। कर्तव्यों को सक्रियता से निभाएं।प्रशिक्षु अधिकारियों ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय में नव-निर्मित संविधान दीर्घा का अवलोकन किया। इस मौके पर राजस्थान विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, वित्तीय सलाहकार अपूर्व जोशी और उप सचिव संजीव कुमार शर्मा ने अधिकारियों को राजस्थान विधानसभा की गतिविधियों के बारे में बताया। इस मौके पर हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान के डॉ. गुल फिरदोस और विनोद कुमारी भी मौजूद थी।

देवनानी ने किया 'नन्ही मुस्कान' का विमोचन और कहा स्वस्थ बच्चों से ही बनेगा सशक्त राष्ट्र

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को विधान सभा में 'नन्ही मुस्कान' पोस्टर का विमोचन किया। देवनानी को डॉ. उमेश दत्त ने 'नन्ही मुस्कान' कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि दौसा में एक दिसम्बर को शहर के बच्चों का फ्री चैकअप किया जायेगा। देवनानी ने चिकित्सकों से कहा कि सशक्त राष्ट्र के लिए बच्चों का स्वस्थ होना आवशयक है। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए निरन्तर कार्य करें। इस मौके पर विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के शर्मा, डॉ. उमेश दत्त शर्मा, डॉ. पंकज जुत्थी और डॉ. पियूष त्रिवेदी मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929